16.51 लाख का बैल

योद्धा नाम से विख्यात यह बैल 25.10 सेकेंड में 396.24 मीटर की दौड़ लगा चुका है। जींद जिले में चार साल का एक बैल 16.51 लाख रुपये में बिका।

आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक 187- ● जबलपुर ● शनिवार, 7 अगस्त, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● श्रावण कृष्ण पक्ष -15 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

हर पल रहें
ताजा तरीन खबरों के
साथ लॉगिंन करें
WWW.yashbharat.co.in

150 साल की हो सकती है मानव की उम्र

वेब डेस्क। मनुष्य 150 सालों तक जीवित रह सकता है। जी हां, अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंसान का जीवन डेढ़ सौ सालों तक हो सकता है। नेचर कम्युनिकेशंस नामक पत्रिका में इस सप्ताह प्रकाशित अध्ययन में इसका खुलासा हुआ है। यह स्टडी पांच लाख लोगों पर की गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस साल की शुरुआत में नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित अध्ययन में दावा किया गया कि मनुष्य 120 से 150 वर्ष तक जीवित रह सकता है।

पदक से चूकीं अदिति, बजरंग पर टिकीं नजर

टोक्यो। ओलंपिक खेलों में भारत का प्रदर्शन अभी तक आशा के मुताबिक नहीं रहा है। हालांकि इस बार कई खिलाड़ियों ने ज्यादा से ज्यादा क्वालीफाई राउंड पार किए और सफलता के करीब पहुंचे। हॉकी में जहां महिला और पुरुष दोनों ही टीमों ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन तीरंदाजी और निशानेबाजी में भारत पदक नहीं पा सका। आज ओलंपिक खेलों का 16 वां दिन है और भारत में अपने कुछ खिलाड़ियों से पदक की उम्मीद है। भाला फेंक में नीरज चोपड़ा गोल्ड मेडल के लिए खेलेंगे, वहीं बजरंग पूनिया कांस्य पदक के लिए अपना दम दिखाएंगे। भारत की गोल्फर अदिति आज पदक से चूक गई। उनसे भारत को पदक का काफी उम्मीद थी। फाइनल राउंड में न्यूजीलैंड की खिलाड़ी को हराते हुए भारत की अदिति ने अब T1 (टाई 1) यानी संयुक्त पहला स्थान बना लिया था, लेकिन आज हुए मुकाबले में अदिति अशोक चौथे स्थान पर रही। इससे पहले अदिति अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर सिल्वर की दौड़ में बनी हुई थी और शनिवार सुबह अच्छी शुरुआत भी की थी, लेकिन अंतिम समय में चौथे स्थान पर पहुंच गई। आज कुश्ती (पुरूषों का 65 किग्रा फ्रीस्टाइल कांस्य पदक मैच), खिलाड़ी बजरंग पूनिया एथलेटिक्स (पुरुष भाला फेंक फाइनल) खिलाड़ी नीरज चोपड़ा तथा अपने अपने मैच खेलेंगे।

नीरज ले पायेंगे गोल्ड?

टोक्यो। ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड में भारत के जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने इतिहास रच दिया था। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में 86.65 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। अब आज (7 अगस्त) को इस स्पर्धा का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। सबकी निगाहें नीरज चोपड़ा पर टिकी हैं। सब यही उम्मीद कर रहे हैं कि जिस तरह से नीरज ने क्वालीफिकेशन राउंड में प्रदर्शन किया था वैसे ही प्रदर्शन कर भारत को स्वर्ण पदक से नवाजें। जेवलिन थ्रो में नीरज को पदक का विजेता पहले ही माना जा रहा है अगर कोई अनहोनी नहीं हुई तो आज मेडल पक्का है। फाइनल मुकाबले में आठ खिलाड़ी पदक के लिए किस्मत आजमाएंगे।

अन्न उत्सव कार्यक्रम

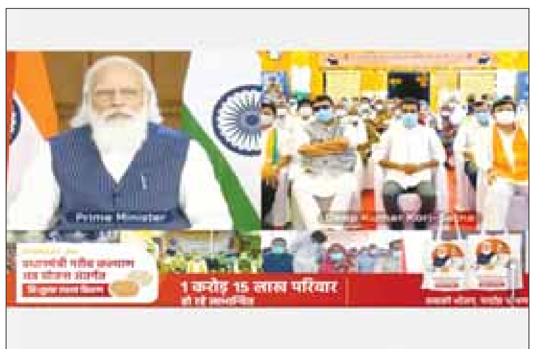

पीएम मोदी ने मध्यप्रदेश के हितग्राहियों से की बात

भोपाल। मध्य प्रदेश में आयोजित अन्न उत्सव कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हितग्राहियों से बात की। प्रधानमंत्री ने सबसे पहले बुरहानपुर के राजेंद्र शर्मा से बात की, इसके बाद होशंगाबाद की माया उइके, सतना के दीप कुमार कोरी और निवाड़ी के चंद्रभान विश्वकर्मा से बात कर सभी से उनके परिवार के बारे में जाना और उन्हें मिल रहे सरकारी योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अन्न उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के राज्यपाल और पुराने परिचित मंगुभाई पटेल, जिन्होंने आदिवासियों के लिए काम किया। इस अन्न वितरण के लिए आप सभी को बधाई। यह योजना तो नई नहीं है, हम कारोना के शुरू होने के दौरान 80 करोड़ गरीबों के घर राशन पहुंचा रहे हैं। कभी गरीबों के घर जाकर बात करने का मौका नहीं मिला, आज मैं गरीब भाई-बहनों का दर्शन कर रहा हूं। इससे गरीबों के लिए कुछ करने की ताकत मिलती है। आज आपके दर्शन के लिए आने का मौका मिला। संकट काल में सरकार से मुफ्त अनाज से बड़ी राहत मिली। ये दुखद है कि मध्य प्रदेश में अनेक जिलों में बारिश और बाढ़ की परिस्थितियां बनी हुई हैं।

जबलपुर देश की संस्कारधानी, मेरा गहरा जुड़ाव

सब कुछ ठीक रहा तो एक-दो महीने में ही स्कूलों में संख्या होगी शत-प्रतिशत

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर जिले को ऐसा संवेदनशील नेतृत्व मिला है जिनसे जनता का जुड़ाव अत्यधिक गहरा है। आज समूचे प्रदेश की सबसे सफल कन्यादान योजना की शुरुआत दमोह जनप्रतिनिधि गोपाल भार्गव द्वारा की गई थी। जिसको बाद में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अपनाया गया। वही जबलपुर से प्रभारी मंत्री एवं प्रदेश के लोक निर्माण कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री भार्गव का गहरा जुड़ाव रहा है। वर्तमान में जबलपुर शहर के प्रभारी मंत्री के रूप में मिले दायित्व और भविष्य की विकास योजनाओं के विषय में आज हमने यश भारत के लोकप्रिय कार्यक्रम प्राइम टाइम विद आशीष शुक्ला में उनसे चर्चा की।

जबलपुर देश की संस्कारधानी

जिले के प्रभारी मंत्री जबलपुर को देश की संस्कारधानी मानते हैं। उनका कहना है कि जबलपुर में डीपी मिश्रा. आचार्य रजनीश. सेठ गोविंद दास जैसी विभूतियों के साथ ही कई पत्रकारों ने शहर का नाम रोशन किया है. वे कहते हैं कि जबलपुर में संस्कार के अद्भुत दर्शन होते हैं इसलिए इसे देश की संस्कारधानी कहना गलत नहीं होगा।

यश भारत
PRIME TIME

शाम 4 बजे

www.facebook.com

http://yashbharat.blogspot.com

बचपन से रहा जबलपुर से जुड़ाव

जबलपुर से लगाव की बात पर उनका कहना था कि बचपन में ही जबलपुर से उनका लगाव रहा है। किशोरावस्था में वह प्रति सप्ताह जबलपुर आते थे. उनकी शिक्षा भी रॉबर्टसन कॉलेज में हुई है। वही राजनीति की प्रथम पाठशाला की शुरुआत भी जबलपुर से ही हुई है जिसके कारण जबलपुर उन्हें सदैव प्रिय रहा।

जिले के प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव से स्कूल शत प्रतिशत खोलने के सवाल पर उनका कहना है कोविड की आशंका के बीच उनकी सरकार महामारी को देखते हुए धीरे धीरे सारे संस्थानों को शुरू कर रही. चाहे वह सिनेमाघर हो या जिम या अन्य संस्थान। इसके साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में भी उच्च शिक्षा को शुरू किया जा रहा है। वहीं अगर बात की जाए प्राथमिक शिक्षा की तो अगर सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो एक दो महीने के अंतराल में ही स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या शत प्रतिशत रहेगी।

प्राइम टाइम विद आशीष शुक्ला में जिले के प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव से चर्चा

अब प्रमुखता इंदौर और भोपाल को

श्री भार्गव मानते हैं कि जबलपुर अपनी समृद्धि के बावजूद भी वैसा विकास नहीं कर पाया जैसे इंदौर और भोपाल विकसित हुए हैं। उनके अनुसार पहले जबलपुर मध्य प्रदेश में शिक्षा का प्रमुख केंद्र बिंदु था लेकिन कालांतर में अब प्रमुखता इंदौर और भोपाल को अधिक दिए जाने से जबलपुर पीछे रह गया। बावजूद इसके जबलपुर ने अपने दम पर काफी कुछ हासिल किया है। **फोटो: बबलू रजक**

पर्यटन के क्षेत्र में असीम संभावनाएं

प्रभारी मंत्री मानते हैं कि जबलपुर प्राकृतिक रूप से समृद्ध है। भेड़ाघाट और जबलपुर के आसपास के अभ्यारण पर्यटकों को अपनी ओरआकर्षित करने में सक्षम है। वहीं पर्यटन से जुड़े अन्य व्यापार भी विकसित किए जा सकते हैं। जिस पर सरकार काम कर रही है जिसका उदाहरण है कि भेड़ाघाट को विश्व धरोहर के रूप में पहचान मिली।

भाजपा सरकार ने किए विकास कार्य

श्री भार्गव कहते हैं कि पूर्व में जब वह 40 साल पहले जबलपुर में आते थे तब और अब वर्तमान में अब जबलपुर काफी विकसित हो गया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अपने विकास के वादे को निभाते हुए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं जिससे अब जबलपुर का स्वरूप बदल चुका है।

रक्षा उत्पादन में असीम संभावनाएं

श्री भार्गव मानते हैं कि जबलपुर में रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। वे मानते हैं कि देश में रक्षा उत्पादों में जबलपुर का अहम योगदान रहा है। सभी प्रमुख इकाइयां जबलपुर में ही हैं। सरकार से समन्वय के साथ अगर इन इकाइयों का आधुनिकीकरण किया जाए तो जबलपुर रक्षा उत्पाद के क्षेत्र में हब के रूप मेंस्थापित हो सकता है।

फटाफट खबरें

बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए देनी होगी नीट 2021

नई दिल्ली । बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए अभ्यर्थियों को नीट 2021 के लिए आवेदन करना होगा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बीएससी नर्सिंग सहित मेडिकल पाठ्यक्रमों में स्नातक (यूजी) करने के इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। अभ्यर्थी इसके लिए 10 अगस्त को शाम 5 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। बता दें कि एनटीए ने परीक्षा की तिथि 12 सितंबर निर्धारित की है।

राहत बच्चों में कोरोना संक्रमण का खतरा कम

नई दिल्ली । दुनिया के कई देशों में कोरोना संक्रमण के दोबारा से बढ़ते मामले और तीसरी लहर को लेकर आशंका, लोगों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। कई अध्ययनों में दावा किया जा रहा है कि कोरोना की तीसरी लहर बच्चों के लिए ज्यादा खतरनाक हो सकती है, इसका मुख्य कारण उन्हें अब तक वैक्सीन न मिल पाना है। इन सभी डर और आशंकाओं के बीच एक अध्ययन में बच्चों को लेकर राहत भरे दावे किए गए हैं। द लैंसेट चाइल्ड एंड अडोलेसेंट हेल्थ जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बच्चों पर कोरोना संक्रमण का ज्यादा असर नहीं हो रहा है।

बेकाबू बाढ़, सेना ने संभाला मोर्चा

कोटा, ग्वालियर। भारी बारिश के चलते राजस्थान के कई जिलों में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। हाड़ौती, बारां, कोटा सहित कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बेकाबू होती जा रही है। इन हालातों से निपटने के लिए राज्य की गहलोत सरकार ने सेना की मदद मांगी है। भारतीय सेना ने तुरंत मदद देते हुए यहां 100 से ज्यादा जवान भेज दिए हैं। इन जवानों ने शुक्रवार की देर रात राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। सेना सबसे पहले डोडिया मोहल्ले में फंसे 20 से ज्यादा लोगों को बचाने में जुटी हुई है। राजस्थान में पिछले 7 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इस वजह से प्रदेश के कोटा, बारां, बूंदी और झालावाड़ जिलों में नदियों का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। राहत और बचाव कार्य में जुटे जवानों की मदद के लिए स्थानीय लोग भी आगे आए हैं। लोगों का कहना है कि झालावाड़ जिले में उजाड़ नदी पर बने भीमसागर डैम के पांच गेट खोले गए हैं। बाढ़ के कारण 70 से 80 हजार की आबादी का कस्बा टापू बन गया है। यहां पानी इतनी तेजी से आया कि लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। देखते ही देखते 3 घंटे में कई फीट पानी भराव हो गया। उजाड़ नदी की कोटा रोड की पुलिया पर करीब 25 से 30 फीट पानी की चादर चल रही है।

एमपी में खतरा टला नहीं

ग्वालियर-चंबल अंचल में बाढ़ का खतरा अभी टला नहीं है। शुक्रवार को गुना अशोक नगर क्षेत्र में हुई भारी बारिश से सिंध नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा है। गुना के नजदीक स्थित बदरसास के रेंझा घाट ग्राम में सिंध चढ़ने से कई लोग फंस गए। रात में ही उनका रेस्क्यू शुरू किया गया। दोपहर तक मड़ीखेड़ा के 8 गेट 2.5 मीटर खुले हुए थे। रात में मोहनी पिकअप से भी 4200 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना हैं। याद रहे तीन अगस्त की रात को मड़ीखेड़ा का जल स्तर अचानक बढ़ने के बाद 10 से 12 मीटर तक गेट खोले गए थे। इसके कारण सिंध शिवपुरी और दतिया के सेवढ़ा क्षेत्र के पांच पुल बह गए थे।

हैलो..अमिताभ के घर समेत चार जगह रखे हैं बम

मुंबई । महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में पुलिस नियंत्रण कक्ष में शुक्रवार रात एक फोन कॉल आने से हड़कंप मच गया। दरअसल फोन कॉल के जरिए मुंबई पुलिस को धमकी दी गई कि मुंबई में चार स्थानों सीएसएमटी, भायखला स्टेशन, दादर स्टेशन और अभिनेता अमिताभ बच्चन के आवास पर बम रखे गए हैं। बम की सूचना मिलते ही अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। आनन-फानन में बम निरोधक दस्ते और जीआरपी की टीम ने बताए गए जगहों की तलाशी ली। लेकिन जांच में यह कॉल फर्जी निकला। वहीं अब इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच की सीआईयू (क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट) ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं इस घटना पर मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि फोन आने के बाद राजकीय रेलवे पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल के साथ ही बम निरोधक दस्ता, श्वान दस्ता और स्थानीय पुलिसकर्मी इन स्थानों पर पहुंचे और तलाश अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि अभी तक इन स्थानों पर कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया, लेकिन वहां भारी संख्या में पुलिसकर्मियों तो तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच चल रही है। बता दें कि इससे पहले भी मंगलवार देर रात मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स स्थित अमेरिकी कॉन्सुलेट में बम से उड़ाने की फर्जी कॉल आई थी। जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने जांच की तो फर्जी कॉल बताया। इस मामले में भी एफआईआर दर्ज की गई है और जांच जारी है।

आज कोरोना के छह हजार मामले हुए कम

नई दिल्ली । देश में कोरोना की वर्तमान स्थिति को लेकर शनिवार को राहत की खबर आई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बीते 24 घंटे में कोरोना के 38,628 नए मामले आए हैं जो कि बीते पांच दिनों के बाद सबसे कम है। हालांकि बीते 24 घंटे में मृतकों की संख्या बढ़कर 617 हो गई है जिसने एक बार फिर से लोगों के साथ-साथ सरकार की भी चिंता बढ़ा दी है। वहीं, 40,017 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट गए हैं। देश में एक्टिव मरीजों की संख्या 4,12,153 है। वहीं देश में कुल मृतकों की संख्या की बात करें तो यह 4,27,371 हो गई है और अब तक कुल स्वस्थ मरीजों की संख्या 3,10,55,861 हो गई है। शुक्रवार को पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 44,643 नए मामले आए थे। इस दौरान देश में 41, 096 लोग स्वस्थ हुए थे। वहीं, पिछले 24 घंटों 464 लोगों की मौत हुई थी।

आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के बडगाम में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया है। मारे गए आतंकी के पास से एक एके 47 राइफल और एक पिस्टल बरामद बरामद हुआ है। वहीं एक अन्य आतंकी मुठभेड़ स्थल से भाग निकला था, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। इस संबंध में आईजीपी कश्मीर जोन, विजय कुमार ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से फरार हुए दूसरे आतंकवादी को खिव इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से एक पिस्टल और एक ग्रेनेड भी मिला है।कल थन्नामंडी तहसील के पंगाई गांव के जंगल क्षेत्र में आतंकी ढेर होने से पाकिस्तान की बड़ी साजिश उजागर हुई है।

ट्विटर ने हटाया राहुल गांधी का विवादास्पद ट्वीट

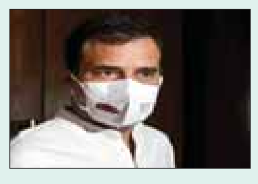

नई दिल्ली। ट्विटर आज देश ही नहीं बल्कि दुनिया में इस्तेमाल की जाने वाली माइक्रोब्लॉगिंग साइट है, यूजर द्वार इस पर की जाने वाली हर एक्टिविटी पर ट्विटर नजर रखता है। शुक्रवार को ट्विटर इंडिया ने कांग्रेस सांसद और पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पर कार्रवाई करते हुए उनका विवादास्पद एक ट्वीट हटा दिया है। राहुल द्वारा इस ट्वीट में उन्होंने कथित तौर पर एक बलात्कार पीड़ित बच्ची के माता-पिता की तस्वीर साझा की थी।

ईगल बैटरी
डीलर-एक्साइड बैटरी
सभी गाड़ियों की बैटरी
EXIDE MICROTEK
पत्रकार भवन के सामने, बल्देवबाग
जबलपुर, फोन-9826115492, 9200792000

मोबाइल एप से की जा रही जासूसी दांपत्य जीवन में डाल रही दरार

नई दिल्ली। एक तरफ पेगासस स्पाइवेयर की मदद से जासूसी देश में चर्चा और विवाद का विषय बनी हुई है वहीं, दूसरी ओर पेगासस की तर्ज पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल एप आदि से की जा रही जासूसी दांपत्य जीवन में भी दरार डाल रही है। इसने कई परिवारों का सुख-चैन छीन लिया है। कई घरों में इसको लेकर आए दिन झगड़ा और विवाद हो रहे हैं। मामले थाने से लेकर अदालत तक पहुंच रहे हैं। गौतमबुद्ध नगर पुलिस और शारदा विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयास से नॉलेज पार्क स्थित पारिवारिक विवाद समाधान केंद्र में ऐसे कई मामले आए हैं। जिनमें केवल पुरुष ही नहीं महिलाएं भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, मोबाइल एप, सीसीटीवी, गूगल मैप आदि से एक दूसरे की निगरानी कर रही हैं। मामूली शक होने पर भी दंपती के बीच झगड़ा होता है और बात तलाक तक पहुंच जाती है। कई मामलों में इस तरह के इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य दंपती व उनके अधिवक्ताओं ने तलाक लेने के लिए अदालत में भी पेश करने के लिए सुरक्षित रखे हैं। समाधान केंद्र की काउंसलिंग टीम इस समस्या के समाधान के प्रयास में जुटी है। टीम दंपती को यह समझाने का प्रयास करती है कि पुरुष या महिला जिन बातों को लेकर एक दूसरे पर शक करते हैं। उन्हें एक दूसरे की जगह खुद को रखकर सोचना चाहिए कि क्या निजी जीवन में खुद ऐसा नहीं करते। क्षेत्र की महिला ने काउंसलिंग टीम को बताया कि उसके पति ने महिला के मोबाइल में स्क्रीन रिकार्डिंग ऑन कर दी। इससे मोबाइल में दिन भर की गतिविधियों की वीडियो रिकॉर्ड हो गई। वीडियो देखकर पति को पता चला कि महिला ने परिचित युवक की फेसबुक प्रोफाइल ओपन कर पोस्ट को देखा है। इसी बात पर पति महिला पर शक करने लगा। जबकि महिला का कहना था कि जिस युवक की प्रोफाइल उसने देखी वह सहेली का भाई है। एक अन्य मामले में एक महिला का अपने पति से मोबाइल पर संपर्क पूरे दिन संपर्क नहीं हो पाया। इससे महिला पति पर शक करने लगी। देर शाम जब पति से बात हुई तो उसने पूरे दिन की मालुमात हासिल की। पति जब रात को वापस लौटा तो महिला ने गूगल मैप से दिनभर की लोकेशन चेक की। तब उसे पता चला कि उसके पति ने जहां होने की बात कही थी वह लोकेशन से मेल नहीं खाया। इस बात पर महिला का शक बढ़ गया और दंपती में विवाद बढ़ गया।

शुभांक - 3-6-1

कल से दौड़ने लगेगी मेमू ट्रेनें

जबलपुर यश भारत। जबलपुर रेल मंडल में यात्रियों की सुविधाओं के लिए मेमू ट्रेन कल रविवार 8 अगस्त से पटरी पर नजर आएगी। मंडल के 55 स्टेशनों से गुजरने वाली ये मेमू ट्रेन हजारों रेल यात्रियों को प्रतिदिन एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने का कार्य करेगी। मानिकपुर से लेकर इटारसी के बीच चलने इन मेमू ट्रेन में यात्रियों को कम दूरी की टिकट बिना आरक्षण के प्राप्त हो सकेगी इसके साथ ही इन ट्रेनों में एमएसटी की सुविधा भी यात्रियों को मिलेगी।मेमू ट्रेन के संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री विश्वरंजन ने बताया कि मेमू ट्रेन 8अगस्त को प्रात: 8.15 बजे मानिकपुर से चलकर मंडल में बारामाफी, मारकुंडी स्टेशन से होकर सतना आएगी । सतना से दोपहर 12:00 बजे यह मेमू ट्रेन रवाना होकर कटनी आयेगी। कटनी स्टेशन से दोपहर 14:00 बजे जबलपुर के लिए रवाना होगी तथा जबलपुर में 15:50 बजे आकर श्रीधाम तथा नरसिंहपुर होकर इटारसी की ओर जाएगी।

जबलपुर मंडल में स्थानीय जनप्रतिनिधियों माननीय सांसदों के द्वारा उक्त मेमू ट्रेन को चलाए जाने के लिए काफी समय से सुझाव दिए जा रहे थे, इन सुझावों पर पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय तथा रेलवे बोर्ड ने निर्णय लेते हुए उक्त मेमू ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया है। इन ट्रेनों के चलने से मंडल के लगभग 55 स्टेशन जो कि मानिकपुर से सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया मार्ग पर स्थित हैं इन स्टेशनों के यात्रियों को अब एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक जाने के लिए बिना आरक्षण किए इस ट्रेन की सुविधा का लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय है कि जबलपुर मंडल में इसके पूर्व कटनी से दमोह, सागर मार्ग से बीना के लिए भी एक मेमू ट्रेन प्रारंभ की जा चुकी है। नई मेमू ट्रेन का सतना, कटनी, जबलपुर, श्रीधाम तथा नरसिंहपुर आदि स्टेशनों पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर इसे गंतव्य की ओर रवाना किया जाएगा। इस ट्रेन के चलने से

हजारों यात्रियों को छोट-छोटे स्टेशनों से ट्रेनों में सफर करने का मौका मिले सकेगा। ये लोग इटारसी, जबलपुर, कटनी और मानिकपुर जैसे मुख्य शहरों तक पहुंच सकेंगे। भोपाल रेल मंडल के इटारसी जैसे जंक्शन स्टेशन को पहली बार कोई मेमू ट्रेन दूसरे शहरों से जोड़ेगी। मेमू ट्रेनों के लिए रेलवे ने नए रैक दिए हैं। यह ट्रेन तेज गति से चलती है। इस ट्रेन को स्टेशनों पर मेल, एक्सप्रेस ट्रेनों की तुलना में रोकना ज्यादा आसान है। तेज गति के बावजूद कम समय में उक्त ट्रेनें स्कती हैं और जल्दी गति पकड़ लेती हैं। मेल व एक्सप्रेस ट्रेनें किसी भी स्टेशन पर रुकने में समय लेती हैं और देरी से गति पकड़ती हैं। इस तरह इनमें अपेक्षाकृत ज्यादा समय लगता है और एक से दूसरे स्टेशन तक पहुंचने में यात्रियों को देरी होती है। इस वजह से मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों को छोटे-छोटे स्टेशनों पर रोक पाना संभव नहीं होता है। मेमू पूरी तरह से अनारक्षित होगी और सभी स्टेशनों पर इसके स्टॉपेज दिए गए हैं। रेलवे ने 8 कोच (6 ट्रेलर कोच और 2 मोटर कोच) के साथ मेमू का संचालन शुरू करने का निर्णय लिया है। ड्राइविंग कोच में 55 सीट तो ट्रेलर वाले में 84 सीट होती है। 8 कोच वाले मेमू में 650 यात्री सीट पर बैठकर यात्रा कर सकेंगे। हालांकि इसमें खड़े होकर भी यात्रा कर सकते हैं।

आज सायंकालीन जलापूर्ति प्रभावित रहेगी

जबलपुर। कार्यपालन यंत्री जल कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि ललपुर जलप्रदाय योजनांतर्गत 55 एम.एल.डी. जलशोधन संयंत्र का संधारण कार्य आज किया जा रहा है, जिसके चलते सायंकालीन जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। उन्होंने बताया कि संयंत्र से भरी जाने वाली टंकियॉ क्रमशः ग्वारीघाट, भीम नगर, शारदा नगर, एस.बी.आई. कॉलोनी, चॉदमारी तलैया, सिविल लाईन, दंगल मैदान, सिद्ध बाबा, मदार छल्ला, भोला नगर, बेलबाग, करिया पॉथर, कटंगा, कुलीहिल व तिलहरी से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। इस अतिमहात्वपूर्ण कार्य के चलते क्षेत्रीय लोगों को होने वाली असुविधा के लिए प्रशासक बी. चन्द्रशेखर, निगमायुक्त संदीप जी.आर. ने खेद व्यक्त किया है।

फिर बदले कॉलेजों में एडमिशन के नियम

सेल्फ अटेस्टेड मूल निवासी प्रमाण-पत्र लगा सकेंगे छात्र; पीजी में रजिस्ट्रेशन कराने का आज अंतिम दिन

जबलपुर,यशभारत। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रवेश नियमों में पहली बार संशोधन किया है। इसके तहत स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले ऐसे छात्र-छात्राएं जिन्होंने हाई स्कूल और हायर सेकंडरी परीक्षा मप्र से पास की है लेकिन वे अन्य राज्य के निवासी हैं तो उन्हें रजिस्ट्रेशन के समय मूल निवासी प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य रहेगा। अगर छात्र के पास मूल निवासी प्रमाण पत्र नहीं है या प्रक्रियाधीन है तो ऐसी स्थिति में तो उन्हें सेल्फ अटेस्टेड घोषणा पत्र अपलोड करना होगा। कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया एक अगस्त से शुरू हो चुकी है। विभाग को 60 दिन में पूरी प्रवेश प्रक्रिया को समाप्त करना है। यूजी की एडमिशन फीस 20 से 25 अगस्त और पीजी की 14 से 19 अगस्त तक जमा होगी।

पीजी फर्स्ट सेम के छात्रों को नेट से डाउनलोड मार्कशीट लगना होगी

अधिकांश विश्वविद्यालयों ने स्नातक अंतिम वर्ष के रिजल्ट घोषित कर दिए हैं। इसके मद्देनजर पीजी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए यूजी अंतिम वर्ष या सेमेस्टर सिस्टम के तहत छठवें सेमेस्टर की नेट से डाउनलोड की अंकसूची लगाना होगी। इसे सेल्फ अटेस्टेड करना होगा। पहले अंतिम वर्ष की सेल्फ अटेस्टेड मार्कशीट लगाने का प्रावधान नहीं था।

PG में पंजीयन का आज अंतिम दिन

मध्यप्रदेश के सभी सरकारी और अनुदान प्राप्त कॉलेजों में पोस्ट ग्रेजुएशन में रजिस्ट्रेशन के लिए आज अंतिम दिन है। अब तक 2.34 लाख सीटों में से महज 15 हजार सीटें ही भर पाई हैं। आज तक पंजीयन कराने वालों को दस्तावेजों का सत्यापन कराने के लिए तीन दिन का समय है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा सीटों के फुल होने की संभावना है। यह एडमिशन का पहला चरण चल रहा है। इधर ग्रेजुएशन कोर्स में भी सवा लाख सीटें भर चुकी हैं।

बडेरिया मेट्रो प्राइम के डॉ अमजद अली यूएसए में सम्मानित

जबलपुर। शहर के बडेरिया मेट्रो प्राइम मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पटल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ अमजद अली को गत दिवस संयुक्त राष्ट्र अमेरिका (यूएसए) के द्वारा एफएससीएआई (एससीआई) से सम्मानित किया गया है। विदित हो कि सोसायटी में हुए इस एससीआई के सेमीनार में बडेरिया मेट्रो प्राइम, जबलपुर में किये गए एक जटिल हृदय के ऑपरेशन (एन्जियोप्लॉस्टी) के विषय में डॉ अमजद अली के द्वारा प्रेजेन्टेशन प्रस्तुत किया गया था। इस सेमीनार में यूरोप व अमेरिका से आये हुए वरिष्ठ हृदय रोग विशेष शामिल थे। उनके द्वारा प्रस्तुत किये गये इस केस की यूरोप व अमेरिका द्वारा काफी सराहना की गई तथा फेलोशिप की उपाधिप्रदान की गई। महाकौशल के चिकित्सा के क्षेत्र के लिए भी उपलब्धि है।

शहपुरा में कोरोना मरीज मिलने से हड़कंप

शहपुरा (भिटौनी) । शहपुरा नगर एवं आसपास के गांव में दो कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने से हड़कंप मच गया है । स्वास्थ्य विभाग की जानकारी अनुसार शहपुरा बरम बाबा स्थित सेंट्रल बैंक में एक कर्मचारी की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है एवं पास के गांव रेनी उमरिया में भी एक कोरोना पॉजिटिव मिला है ।आनन फानन एसडीएम एवं आला स्वास्थ विभाग अधिकारी की टीम ने पहुंचकर बैंक को बंद कराया और बैंक एवं आसपास के क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित किया । अचानक कोरोना मरीज आने से पूरे नगर में जनता के चेहरे पर दहशत साफ देखी जा रही है । बैंक के समस्त ग्राहक एवं कर्मचारी अधिकारी की आवाजाही पर रोक लगा दिया गया है । बैंक के समस्त अधिकारी कर्मचारियों का

टेस्ट कराया जा रहा है जो कर्मचारी के संपर्क में थे और उन ग्राहकों को से भी पूछताछ की जा रही है जो कर्मचारी के संपर्क में आए हुए थे

अप डाउन के कारण आ रहा है कोरोना

शहपुरा जबलपुर में मात्र 30 मीटर की दूरी है जिसके कारण शहपुरा में पदस्थ सरकारी विभागों में कर्मचारी अधिकारी जबलपुर से प्रतिदिन शहपुरा आना-जाना करते हैं कौन वायरस को लेकर आ रहा है कह नहीं सकते विभाग के अधिकारी कर्मचारी अपना आदि अपडाउन बंद नहीं करेंगे तो शहपुरा नगर वासियों को कोरोना की सौगात बहुत शीघ्र बड़े रूप में मिल सकती है जिसका परिणाम घातक साबित होगा ।

नगर में हो रही है लापरवाही

शहपुरा नगर एवं आसपास के गांव की जनता की लापरवाही उजागर देखने को मिल रही है लोग कोरोना के प्रति लापरवाह हो गए हैं कहीं भी मास्क उपयोग नहीं हो रहा है । सोशल डिस्टेंस का पालन क्या होता है जैसे लोग जानते ही नहीं है सभी जगह मनमर्जी से भीड़ देखने को मिल रही है ।

बैंकों में नहीं होता सोशल डिस्टेंस

शहपुरा स्थित के इलाहाबाद बैंक सेंट्रल बैंक एवं सरकारी कार्यालयों में सोशल डिस्टेंस की दूरी की पूरी तरह धज्जियां उड़ाई जा रही हैं किसी भी कार्यालय एवं बैंक में कोरोना की गाइडलाइन का पालन नहीं किया जा रहा है नगर एवं बाजार में मास्क का उपयोग देखने कोई नहीं मिलता है जिसका परिणाम भविष्य में घातक साबित होगा ।

मुख्यमंत्री के संकल्प को अंजाम तक पंहुचाया कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने

जबलपुर। जिसका कोई नहीं उसका तो खुदा है.... * कोरोना से माता-पिता की असमय मृत्यु के बाद जिंदगी की मुश्किलों से जूझ रहे जबलपुर जिले के 59 बेसहारा बच्चों के लिए मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना वरदान साबित हुई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इन सभी अनाथ बच्चों का अभिभावक बनकर इनके भरण-पोषण और पढ़ाई-लिखाई का इंतजाम किया है। पिता का साया और मां के आंचल की छाया खो चुके इन बच्चों के सामने जिंदगी की जद्दोजहद, कठिनाईयों और संघर्ष का दौर मुंह बायें खड़ा था, ऐसे में प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपने मामा होने का फर्ज निभाकर बेसहारा हुए बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के रूप में मजबूत सहारा दिया। मुख्यमंत्री के इस मानवीय संकल्प को पूरा करने उसे अमली जामा पहनाने में कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने एक मिनिट की भी देरी न करते हुए उस संकल्प को उसके अंजाम तक पंहुचा दिया बी.कॉम. प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहे शांतिनगर निवासी 19 वर्षीय अर्चित अनमोल जैन के पर कोरोना का कहर टूट पड़ा, उनके पिता अरविंद जैन की 2 अप्रैल को और माता संगीता जैन की 18 अप्रैल को कोरोना से मृत्यु हो गई। ऐसे में अर्चित और उनकी बड़ी बहन समीक्षा जैन के सामने न केवल भरण-पोषण, बल्कि आगे की पढ़ाई-लिखाई की समस्या आ खड़ी हुई। जिंदगी की इस मुश्किल घड़ी में मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा घोषित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना अर्चित के जीवन का सहारा बनी। अर्चित की संरक्षक बनी उनकी बड़ी बहन समीक्षा ने बताया कि उन्हें 21 जुलाई को 5 हजार रुपये की सहायता राशि मिल गई है, अभी खाद्यान्न भी मिलेगा।

जबलपुर के 59 बेसहारा बच्चों की अभिभावक बनी सरकार

जिंदगी की मुश्किल घड़ी में सहारा बनी मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना

गोलबाजार का मलबा उखरी की सड़कों पर फिकवा रही थी ठेका कंपनी

जबलपुर, । स्मार्ट सिटी के तहत कराए जा रहे निर्माण व विकास कार्यों में ठेका कंपनी किस कदर अपनी मनमानी कर रही है उसकी एक और बानगी फिर सामने आई। दरअसल जिस ठेका कंपनी को गोलबाजार की स्मार्ट रोड बनाने का ठेका दिया गया है वह गोलबाजार से निकले मलबा, गंदगी को उखरी क्षेत्र की सड़कों पर फिकवा रही थी। जबकि कंपनी को पहले ही हिदायत भरी समझाइश दी जा चुकी थी। गुरुवार को निरीक्षण पर निकले निगमायुक्त ने जब ठेका कंपनी की ये करतूत देखी तो वे भी दंग रह गए। ठेका शर्तों का उल्लंघन करने पर उन्होंने ठेका कंपनी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। दरअसल गोलबाजार क्षेत्र में स्मार्ट रोड, नालियां, फुटपाथ बनाने का ठेका भाषा एसोसिएट कंपनी को दिया गया है। निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने निकले निगमायुक्त संदीप जीआर ने उखरी क्षेत्र में देखा कि गोलबाजार में निर्माण कार्य के दौरान जो मलबा, कचरा और गंदगी निकाली जा रही है उसे कठौंदा स्थित प्रसंस्करण स्थल में फिकवाने की बजाए उखरी में बीच सड़क पर फिकवाया जा रहा है। जिसके कारण राहगीरों को जहां निकलने में परेशानी हो रही है वहीं बदबू से आस-पास के अपार्टमेंट वाले भी परेशान हो रहे हैं। निगमायुक्त ने ठेका कंपनी की इस करतूत पर स्वास्थ्य अधिकारी भूपेंद्र सिंह को कंपनी संचालक पर एक लाख रुपये का जुर्माना ठोंका।

निगम ने ठेका एक लाख का जुर्माना

महाकोशल में कृषि आधारित उद्योग की विपुल संभावना

जबलपुर । जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय स्थित संचालनालय अनुसंधान सेवायें के मंथन सभागार में कृषि आधारित उद्योग विषय पर आयोजित कार्यशाला में कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने कहा कि महाकोशल में कृषि आधारित उद्योग की विपुल संभावना है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. आर.एस. शुक्ला ने जनेकृविवि द्वारा विकसित गेहूँ की उन्नत प्रजातियों पर प्रकाष ड़ाला। संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कोतू ने बताया कि विष्वभर में विवि द्वारा विकसित प्रजातियां बोई जाती हैं। कार्यषाला में पीताम्बरा इंडस्ट्री, थाणे महाराष्ट्र निदेषक संतोष पालकर एवं सदस्य संजय देषमुख एवं नरेष षिंदे ने विवि द्वारा विकसित गेहूँ की कम वर्षा में पकने वाली चमकदार और नरम रोटी वाली शरबती प्रजाति जे.डब्ल्यू. 3382 एवं 3288 में विषे रूचि दिखाई और एम.ओ.यू. का प्रस्ताव रखा। पीताम्बरा इंडस्ट्री भारत सहित 22 देषों के 5 लाख रिटेल स्टोर में अपने उत्पाद निर्यात करती है। कुलपति डॉ. बिसेन ने उन्हें भरपूर तकनीकी सहयोग करने का वादा किया। इस दौरान पूर्व संचालक डॉ. पी.के. मिश्रा, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. डी.के पहलवान, विभागाध्यक्ष खाद्य विज्ञान विभाग डॉ. षिवषंकर शुक्ला, आईपीआरओ डॉ. मुमताज अहमद खान, डॉ. मोनी थामस, डॉ. अनय रावत, डॉ. संजय सिंह, डॉ. राजेन्द्र सिंह ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

जनेकृविवि में कार्यशाला सम्पन्न

आया सोने और चांदी के दाम में बदलाव

जबलपुर। शहर के बुलियन मार्केट में 10 ग्राम सोने का भाव 48,770.0 रुपये रहा। कल की तुलना में सोना आज 290.0 रुपये गिरा। वहीं, एक किलोग्राम चांदी का रेट 68,640.0 रुपये रहा। जबलपुर में कल सोने का भाव 49,060.0 रुपये और चांदी का भाव 69,260.0 रुपये था। सोना खरीदते समय उसकी क्वॉलिटी का ध्यान जरूर रखें। अच्छा होगा कि हॉलमार्क देखकर ही सोने के गहनों की खरीदारी करें। हॉलमार्क सोने की सरकारी गारंटी है और भारत की एकमात्र एजेंसी ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) हॉलमार्क का निर्धारण करती है। हॉलमार्किंग योजना भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम के तहत संचालन, नियम और रेग्युलेशन का काम करती है।

विश्व वुशु कूंगफू दिवस पर बूशू खिलाड़ी करेंगे रक्त दान

जबलपुर। मध्य प्रदेश बुशु संघ के बुशु खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षको द्वारा विश्व वुशु कूंगफू दिवस पर आज आज लेडी एल्गिन अस्पताल में रक्तदान किया जायेगा । इस दिवस पर वुशू खिलाड़ी स्वेच्छिक रक्तदान की शपथ लेंगे ।इसके लिए विभिन्न राज्य और जिला इकाइयों के खिलाड़ी और पदाधिकारी अपने नजदीकी रेड क्रॉस सोसाइटी से सम्पर्क कर रक्तदान करेंगे। इसके तहत राज्य के विभिन्न जिला इकाइयों के द्वारा अपने मुख्यालय में वुशु का प्रदर्शन आयोजित होगा जिसका वीडियो रिकॉर्डिंग होगा और इसमे से बेहतर को वुशू एसोसिएशन ऑफ इंडिया को भेजा जाएगा। कोच सारिका गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष के इस आयोजन का थीम हेल्थ एन्ड फ्यूचर है जिसके तहत सभी राज्यो को पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन करना होगा और अपने सर्वश्रेष्ठ 10 पेंटिंग के प्रतिभागियों को अवार्ड देना होगा ।इनमें से बेस्ट तीन को वुशू एसोसिएशन ऑफ इंडिया को भेजना होगा जिनमे से सर्वश्रेष्ठ 20 प्रतिभागियों को वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया के द्वारा गिफ्ट दिया जाएगा ।त्येक जिला अपने यहां के प्रमुख खेल हस्तियों से हेल्थ एवम फ्यूचर के ऊपर वक्तव्य लेकर वुशु एसोसिएशन ऑफ मध्य प्रदेश को भेजेंगे जिनमे से बेहतरीन संदेशों को बुशूअस्सोसियेशन इंडिया को एवं इंटरनेशनल वुशु फेडरेशन को भेजा जाएगा।

वर्कशॉप में वर्क्स कमेटी गठन पर जश्न

जबलपुर यशभारत।506आर्मी बेस वर्कशॉप मे35वर्ष बाद प्रतिरक्षा मजदूर संघ के7उम्मीदवारों ने विगत31जुलाई को संपन्न वर्क्स कमेटी चुनाव में जीत के साथ बहुमत हासिल करने के बाद शुक्रवार को विधिवत गठन किया गया।इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। यूनियन के महामंत्री अतुल साहू ने बताया कि लगातार12वीं बार विजयी होने वाले अजय सिंह राजपूत को उपाध्यक्ष बनाया गया है जबकि तीसरी बार जीतने वाले दिनेश राय को संयुक्त सचिव के स्पोर्ट्स कमेटी में अतुल साहू लावण्य छिब्बर गुलाब सिंह वेलफेयर कमेटी में अजय राजपूत दिनेश राय अनिल बाबरिया. क्वाटर कमेटी में अजय सिंह प्रकाश सोलंकी शिव कुमार केवट उत्पादन समिति में गुलाब सिंह अतुल साहू अर्जुन सिंह. संरक्षा समिति में लावण्य छिब्बर अनिल बाबरिया एवं आर के सोनी का सर्व सम्मति से मनोनयन हुआ।जबकि केंटीन कमेटी चुनाव मे अमित मिश्रा ने जीत हासिल की। इस अवसर पर बिहारी लाल विश्वकर्मा सी एस साहू गणेश प्रसाद वसंत कुंजाम देवराज बैस विजय चौधरी राजेंद्र पटेल योगेंद्र प्रधान बालेन्द्र सिंह अजय चड्डा अविनाश दाहिया दीपक आदि ने नये पदाधिकारियों का फूलमालाओं से स्वागत किया।

35 वर्ष में पहली बार प्रतिरक्षा मजदूर संघ को मौका

डॉ. बृजेश सिंह ने संभाला रा.दु.वि.वि. कुलसचिव का प्रभार

जबलपुर,। म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के परिपालन में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में नये कुलसचिव के रूप में डॉ. बृजेश सिंह ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण कर लिया है। डॉ. बृजेश सिंह इसके पूर्व अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा में कुलसचिव के रूप अपनी सेवायें प्रदान कर चुके हैं। इस अवसर पर पूर्व कुलपति प्रो. अलका नायक, उपकुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, प्रो. कमलेश मिश्रा, प्रो. विवेक मिश्र, प्रो. धीरेन्द्र पाठक, सहायक कुलसचिव श्रीमती सुनीता देवड़ी, सुश्री मोनाली सूर्यवंशी तथा डॉ. आर.के. गुप्ता, विनोद जारोलिया सहित अन्य शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

स्थापना 1948 73 वर्षों का आपका विश्वास
मंदिर छाप छाता
छाते ही छाते
निर्माता- लक्ष्मी अम्ब्रेला इंडस्ट्रीज
905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481944
लक्ष्मी एम्पोरियम 905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481229
अधिकृत विक्रेता
प्लास्टिक सिल्पोलिन तिरपाल के थोक विक्रेता मो. 9826116661
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम 3/15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर (मप्र)फो. 0761-2481262, 2481362

Pure & Tasty AK's Special
मो. 9827681910
गर्मी के मौसम में स्पेशल सत्तू चने का उपलब्ध है। अब हमारे नये शोरूम गोरखपुर में
अशोक कुमार अजित कुमार
गुलाबी चना ▪ मुरमुरा ▪ बोल्ड चना ▪ केला चिप्स ▪ बोल्ड पीनट ▪ मसाला चना ▪ ड्राय मेल ▪ चना जौर गर्म
प्रियदर्शनी एवं सेवा केन्द्र मढ़ाताल में उपलब्ध
होम डिलेवरी के लिए अनुभवी लड़कों की जरूरत है

SONY Panasonic INTEX Kurl-on Haier Godrej SAMSUNG USHA PHILIPS & All Product
शादियों के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध
आसान किश्तों पर आसान शर्तों पर
बेटी की शादी का पूरा फर्नीचर सागौन द्वारा निर्मित
मिश्रा फर्नीचर्स एण्ड इन्टरप्राइजेज
सरकारी कुंआ, शीतलामाई रोड, जबलपुर फोन नं. 2626496 मो. 9827235010
फर्नीचर्स वारंटी पर उपलब्ध

योगमणि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
जामदार हॉस्पिटल जबलपुर
भारतीय नर्सिंग कॉन्सिल व म.प्र. नर्सिंग काउंसिल से मान्यता प्राप्त, तथा म.प्र. मेडिकल यूनिवर्सिटी से संबंद्ध
सीमित स्थान नर्सिंग के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सुनहरा अवसर प्रवेश प्रारंभ
B.Sc. NURSING 4 वर्षीय पाठ्यक्रम प्रवेश योग्यता - 10+2 जीव विज्ञान से (45% अंकों के साथ)
Post Basic B.Sc. Nursing 2 वर्षीय पाठ्यक्रम प्रवेश योग्यता - GNM Pass
GNM 3 वर्षीय पाठ्यक्रम प्रवेश योग्यता - 10+2 किसी भी विषय से (40% अंकों के साथ)
तत्काल रोजगार शासकीय मेडिकल अस्पताल CHC, PHC, AIIMS, Raiway, ESIC PGI, जिला अस्पताल, अन्य सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं प्राइवेट अस्पताल में रोजगार की अपार संभावना
SC/ST/OBC छात्रों को सरकारी नियमानुसार 100% तक छात्रवृत्ति
प्रतिभा सम्मान योजना
कक्षा 12 वीं में, 75% से अधिक अंक प्राप्त छात्रों को फीस में भारी छूट
योगमणि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
198/2, रैगवा, वार्ड नं. 72, अरिहंत वेयर हाउस के पीछे, पाटन वायपास चौक के पास, जबलपुर
मो.: 9926812233, ई-मेल: yogmaniinstituteofnursing@gmail.com
8989220333, 8989228333, 9340232133

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085।
डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)

अन्न उत्सव : हर पात्र गरीब को सम्मानपूर्वक दिया मुफ्त राशन

नि:शुल्क अन्न पाकर खिल उठे कार्डधारक

प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव ने पात्र हितग्राहियों को वितरित किया

जबलपुर, यशभारत। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत शनिवार को 'अन्न महोत्सव' का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश में राशन कार्ड धारकों को राशन (प्रति यूनिट तीन किलोग्राम गेहूं और दो किलोग्राम चावल) निशुल्क दिया गया। दुकानों को गुब्बारे और फूल मालाओं से सजाया गया था। इस माहौल में अन्न पाकर कार्ड धारक खुश नजर आए। इस दौरान एलईडी और टीवी पर प्रधानमंत्री का संबोधन भी सुनवाया गया। पीएम के संबोधन के बाद सरकार की ओर से दिए गए थैले में गेहूं या चावल में से एक राशन दिया गया। थैले पर प्रधानमंत्री का चित्र छपा हुआ था। वहीं, कार्ड धारकों को ब्रोशर भी दिया गया। इसके मुख्य पृष्ठ पर 'इरादे एक, काम अनेक' लिखा हुआ है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का चित्र भी है। सबसे ऊपर राम जन्मभूमि, अयोध्या में स्थापित राम दरबार का चित्र सबसे ऊपर दिया गया है। जिले के प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव ने यहां जिला मुख्यालय पर यादव मोहल्ला रामपुर में कार्यक्रम में राशन वितरण के इस कार्यक्रम का शुभारम्भ किया । सांसद राकेश सिंह इस कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद थे । अन्न उत्सव के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत हर गरीब पात्र हितग्राही को नि:शुल्क खाद्यान्न प्रदान किया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ उत्सवी माहौल में प्रभारी मंत्र गोपाल भार्गव व सासंद राकेश सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में कलेक्टर कर्मवीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक सिद्दार्थ बहुगुणा समेत बड़ी संख्या में पार्टीजन मौजूद रहे। सांसद राकेश सिंह ने उत्तर मध्यविधानसभा के कमला नेहरू वार्ड और पूर्व विधान सभा के चितरंजन वार्ड में अन्न उत्सव में हर पात्र गरीब को सम्मान पूर्वक मुफ्त राशन दिया । जिले के 3 लाख 53 हजार 196 हितग्राहियों को निन्शुल्क खाद्यान्न वितरित करने का लक्ष्य रखा गया था।

449 राशन दुकानों में अन्न उत्सव

पीएम मोदी 11.20 बजे पूरे देश में एक साथ देश भर में अन्न उत्सव का शुभारंभ किया। जबलपुर में 449 राशन दुकानों में अन्न उत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। हर राशन दुकान में भाजपा के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी शामिल हुए। मुख्य कार्यक्रम पश्चिम विधानसभा के रामपुर स्थित अखाड़ा परिसर की राशन दुकान में हुआ।

प्रभारी मंत्री ने की अन्न उत्सव के बहाने की कांग्रेस की खिंचाई

मैंने वो दौर देखा है जब दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्री थे, बाजार लुट रहे थे

अन्न उत्सव कार्यक्रम के बहाने जिले के प्रभारी मंत्री और प्रदेश के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भर्गाव ने कांग्रेस सरकार और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को आड़े हाथ लिया है। प्रभारी मंत्री ने अन्न उत्सव कार्यक्रम के मंच से कहा कि इस देश में कांग्रेस पार्टी से लेकर अन्य पार्टियों ने राज किया, लेकिन किसी ने देश की गरीब जनता के बारे में नहीं सोचा। प्रभारी मंत्री ने वो दौर भी देखा जब प्रदेश के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह हुआ करते थे, उस वक्त लोग बाजार लूट लेते थे। मैंने उस वक्त भी लोगों की आवाज बुलंद तरीके से विधानसभा में रखी परंतु तत्कालीन सरकार ने कभी ध्यान नहीं दिया। प्रभारी ने कहा कि उस दौर में लोग गेहूं-चावल, आलू-प्याज की लूट करते थे। प्रभारी मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों की सरकार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रोटी-कपड़ा और मकान गरीबों को देने के साथ देश-प्रदेश का विकास किया है। भाजपा सरकार के कार्यकाल में गरीबों को अनाज के लिए लूट नहीं करनी पड़ रही है, लोगों को आसनी से सबकुछ मिल रहा है। ये गर्व की बात है।

पहले लोगों के पास खाने के लाले थे

प्रभारी मंत्री ने कहा कि बीजेपी हमेशा गरीबों की चिंता करती है। कांग्रेस शासन काल में बाजार लुटते थे। 2003 के पहले इस कदर महंगाई थी कि गरीबा के पास खाने को अनाज भी नहीं होता था। मेरी खुद की विधानसभा की हालत ये थी कि हाट बाजार में गेहूं और चावल लुट जाते थे। भाजपा सरकार आई तो 80 प्रतिशत लोगों के लिए सुविधा उपलब्ध कराई है। बीजेपी सरकार ने कइ वर्गों के लोगों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जोड़ा है। पीएम ने गरीब कल्याण योजना के तहत नवंबर तक मुफ्त राशन देने की योजना बनाई है। इस पर कांग्रेस को दर्द नहीं होना चाहिए।

कलेक्टर ने सदर, गोराबाजार एवं गौर क्षेत्र में बांटा अन्न

कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत सदर, गोराबाजार एवं गौर क्षेत्र स्थित उचित मूल्य दुकानों पर हितग्राहियों को नि:शुल्क खाद्यान्न का वितरण किया । इस अवसर पर सुंदर अग्रवाल, रिकुंज विज एवं क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे ।

कृपाल चौक मदनमहल अन्न उत्सव कार्यक्रम में राशन किट बांटते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर अभिलाष पांडेय ।

इसी तारतम्य में स्वामी विवेकानंद वार्ड, कस्तूरबा गांधी वार्ड में अन्न योजना का शुभारंभ किया एवं हितग्राहियों को अनाज वितरण किया।इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष सीए अखिलेश जैन, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष एवं भाजपा नगर मंत्री रंजीत पटेल, रंजीत ठाकुर, संतोष झारिया, दिनेश केवट, अनिकेत चौरसिया, मनोज जैन, राहुल बैन आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बेलखेड़ा के बैंक में लगी आग, फंस गये थे दस, छत से कूदकर बचाई जान

जबलपुर, यशभारत। बेलखेड़ा में भी एक बड़ा अग्नि हादसा होते हुए बच गया। सेंट्रल बैंक में अचानक आग लगने से दहशत का माहौल बन गया। मकान के ऊपर फ्लोर में रहने वाले 10 लोगों की जान उस वक्त मुसीबत में पड़ गई जब आग की लपटे कमरों तक पहुंचने लगी। कुछ लोगों ने छत से कूदकर जान बचाइ तो कुछ को फायर बिग्रेड और पुलिस की मदद से सकुशल बाहर निकाला गया।

बेलखेड़ा कस्बे में किराना व्यापारी नारायण प्रसाद साहू के घर में भूतल में सेंट्रल बैंक की शाखा संचालित होती है। वहीं ऊपर के पहली मंजिल पर उनका परिवार रहता है। नारायण प्रसाद साहू (72) सहित पत्नी इमरती बाई (65), किशन साहू (44), रुकमणी साहू (38), रवि साहू (38), पिंकी (37), श्वेता (18), सुमित साहू (12), सेजल साहू (12), सानिया साहू (3) सभी अलग-अलग कमरों में सो रहे थे। शनिवार 6 अगस्त की आधी रात 1 से 2 बजे के बीच में सदस्यों को सांस लेने में परेशानी हुई। हड़बड़ा कर सभी उठे। देखा तो कमरे में धुआं फैला हुआ था। एक-दूसरे को देख तक नहीं पा रहे थे।

चीखते हुए सभी बाहर निकले

सभी 10 सदस्य चीखते हुए कमरों से बाहर निकले। देखा कि नीचे भूतल स्थित बैंक से आग की लपटें निकल रही थी। नीचे उतरने का रास्ता बाधित हो चुका था। फर्श इतनी गरम हो गई थी कि चप्पल पिघलने लगे थे। उनकी चीख ने अगल-बगल के लोगों को भी जगा दिया। चारों तरफ आग की लपटों से घिरे देख पड़ोसियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड और बेलखेड़ा पुलिस को खबर दी। साथ ही अपने-अपने घर से पाइप लगाकर आग बुझाने में जुट गए।

सीढ़ी रस्सी के सहारे बचाई गई जान

नारायण प्रसाद साहू के घर के पीछे बड़ी मात्रा में बांस रखा है। आग वहां तक फैलने लगा था। नारायण प्रसाद दहशत में छत से कूद गए। इससे उनके पैर में चोट आई है। वहीं पड़ोसियों ने सीढ़ी और रस्सी की मदद से छत पर फंसे परिवार के अन्य नौ सदस्यों को सुरक्षित उतार लिया। बावजूद परिवार के सदस्यों पर दहशत की लकीरें साफ झलक रही थी।

पिंकी सिटी अग्नि हादसा

कल जहां शोर शराबा था, आज वहां छाया रहा सन्नाटा

जबलपुर, यशभारत। बिलहरी की पिंक सिटी कॉलोनी शायद ही कोई भूल पाएगा, तीन हंसती-खेलती जिंदगियां आग में दफन हो गई। कल तक जिस कॉलोनी में शोर-शाराबा हुआ करता था आज वहां सन्नाटा पसरा था। कॉलोनी के प्रत्येक घर के सदस्य गमगीन था। कॉलोनी में सुबह का नजारा देखने में ऐसा लग रहा था कि यहां सालों से कोई नहीं रह रहा है, यहां की खुशियां जैसे लोगों से बहुत दूर चली गई हों। मालूम हो कि गुरुवार 5 अगस्त की देर रात 2.30 बजे के लगभग पिंक सिटी गेट नंबर तीन के अंदर बीच कॉलोनी में मकान नंबर 78 में लगी आग ने तीन लोगों की जान ले ली। मकान रेलवे के दफ्तर में तैनात प्रोटोकॉल इंस्पेक्टर आदित्य सोनी का है। गुरुवार रात को वह घर पर थे। भूतल सहित प्रथम मंजिल का ये मकान बना है। भूतल में उनकी 70 साल की मां कैंसर पीड़िता अरुणबाला सोनी किचन के सामने लगे बेडरूम में सो रही थी। वहीं आदित्य, उनकी पत्नी नेहा सोनी (32), भोपाल निवासी बहन रितु सोनी (37) भांजी परी उर्फ धनविस्टा सोनी (7) पहली मंजिल पर सो रहे थे।

बचाना मुश्किल हो जाता फिर कॉलोनी के लोगों ने हादसे में और भी लोगों की जान जा सकती थी अगर मौके पर कॉलोनी के लोग मदद के लिए नहीं आते है। सभी ने अपने तरीके से मदद की और 70 वर्षीय अरुणबाला सोनी और उनके बेटे को बचा लिया गया। हालांकि मासूम सहित तीन मौत से सभी दुखी थे। बोले कि अभी तक कॉलोनी में ऐसी कोई घटना नहीं हुई थी। रात के वो पल अब भी आंखों के सामने तैर जा रहा है।

सांसद-विधायक ने पूछा हालचाल

सांसद राकेश सिंह और केंट विधायक अशोक रोहाणी ने अस्पताल पहुंचकर हादसे के बाद बीमार हुई रेलवे प्रोटोकाल इंस्पेक्टर की मां अरूणबाला सोनी से हाल चाल पूछा। इस दौरान सांसद-विधायक ने पीड़ित परिवार को सात्वना देते हुए कहा कि इस दुखद खड़ी में हम उनके साथ है।

लपटों में झुलस चुकी थी परिवार की खुशियां

आग बुझी तो बालकनी की गैलरी में बने पूजास्थल के पास मासूम परी उर्फ धनविस्टा और उसे आखिरी दम तक बचाने की कोशिश में सीने से चिपकाए मां रितु (37) की लाश पड़ी थी। बाथरूम में आदित्य सोनी की पत्नी नेहा सोनी (32) मृत हालत में पड़ी थी। उनके हाथ व शरीर पर हल्के फफोले पड़े थे। **फोटो: बबलू रजक**

पाटन में एमपीईबी कर्मचारी हो गए जुआरी

लोग फोन करके समस्या बताते रहे, स्टाफ लगा हार-जीत के दांव लगाने

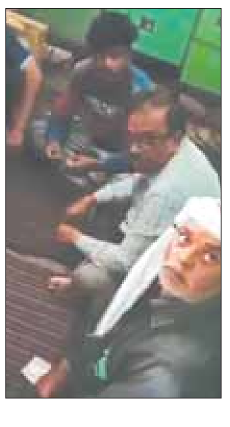

जबलपुर, यशभारत। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रादुम्मन सिंह तोमर न सिर्फ अपने विभाग बल्कि जनता की समस्याओं को भी तुरन्त निदान करने में जुटे हुए है वही उनके विभाग के कर्मचारी अपने कामो को छोड़कर जुआ खेलने में मस्त है,ताजा मामला जबलपुर के पाटन का है जहां बिजली विभाग के कर्मचारी अपने कामो को छोड़कर जुआ खेलने में जुटे हए है। सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एमपीईबी के कर्मचारी हार-जीत के दाव लगाते नजर आ रहे हैं।

इधर बिजली गुल उधर लाइन मेन खेल रहे थे जुआ

दर्शन पाटन क्षेत्र में बारिश के चलते जब बिजली गुल थी और जनता को बिजली की सुविधा विद्युत कर्मी को मुहैया करवानी थी तो वहीं इसके उलट विद्युत कर्मी अपनी ड्यूटी छोड़ जुआ खेलने में मस्त थे विद्युत कर्मियों के जुआ खेलने का वीडियो सोशल मीडिया में जम कल वायरल हुआ वीडियो में देखा जा सकता है कि विद्युत कर्मी अपने काम को छोड़कर जुआ खेलने में व्यस्त हैं।

अधिकारी ने दिया कार्यवाही का भरोसा

विद्युत विभाग के कर्मचारियों और लाइनमैन के बीच जुए की फड़ बैठी हुई है यह जानकारी जब पाटन विद्युत संभाग के डिविजनल इंजीनियर नरेश नीरज कुचिया को लगी तो वह अपने विभाग के कर्मचारियों को बचाते हुए नजर आए वीडियो में जी एसएस मनकोटिया भी वीडियो में दिख रहे हैं बाहरहाल मीडिया के दबाव के बाद डिविजनल इंजीनियर ने कर्मचारियों को चेतावनी पत्र जारी करने की बात कही है।

यू ट्यूब में वीडियो देखकर बनाया

एटीएम में चोरी का प्लान

जबलपुर, यशभारत। अधारताल स्थित एक एटीएम में सेंध लगाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गए आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह बहुत जल्दी बड़ा आदमी बनना चाहता था इसलिए रात में शराब पीकर यू-ट्यूब में एक वीडियो देखा जिसमें उसने देखा कि किस तरह से एटीएम मशीन को तोड़कर चोरी की जाती है। वीडियो देखने के बाद वह एटीएम पहुंचा और वहां पर तोड़?ड़ करने लगा लेकिन इसी बीच पुलिस आ गई और वह पकड़ा गया। आरोपी ने बताया कि वीडियो के अंत देखना भूल गया अगर वह देख लेता तो पकड़ा नहीं जाता। थाना अधारताल में पुष्पक नगर निवासी 61 वर्षीय मनमोहन ठाकुर ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया विजयनगर में एटीएम चैनल मैनेजर फैसीलेटर के पद पर पदस्थ है। लगभग 10 बजे चैक किया तो हनुमान मंदिर के पास स्टेट बैंक महाराजपुर लॉबी स्थित एटीएम में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा एटीएम के लाबी में अंदर घुसकर एटीएम में रखे रूपये चुराने का प्रयास कर तोड़ फोड़ किया है जिससे एटीएम मशीन टूट फूट गयी है जिसकी सूचना उसने अपने उच्च अधिकारियों को फोन के माध्यम से दी है, एटीएम टूटने से लगभग 5 हजार रूपये का नुकसान हुआ है यदि आरोपी एटीएम तोडने् में सफल हो जाता तो 5 लाख रूपये का नुकसान होता।

वीडियो के अंत देखना भूला जिसमें पुलिस पहुंच जाती है

सी.सी.टी.व्ही. फुटेज से पकड़ा गया आरोपी

पुलिस ने रिपोर्टर पर अज्ञात चोर की तालाश करते हुए सी.सी.टी.व्ही. फुटेज खंगाले तो उसमें विवेक ठाकुर पिता भागचंद ठाकुर उम्र 22 वर्ष निवासी विश्वकर्मा बस बॉडी के पास सुहागी को अभिरक्षा में लेते हुये सघन पूछताछ की गयी तो ए.टी.एम. में घुसकर रूपये चोरी करने के उद्देश्य से पेचकस से तोडफोड़ करना एवं पासवर्ड डालने वाला डायलर चोरी करना स्वीकार किया

फेक्टरी के मैनेजर ने युवती से किया बलात्कार

जबलपुर, यशभारत। कंचनपुर अधारताल स्थित एक फेक्टरी के मैनेजर ने साथ में काम करने वाली युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुराचार किया। तीन साल तक ज्यादती करने के बाद जब युवती ने शादी करने को कहा था तो फेक्टरी मैनेजर मुकर गया और शादी न करना पड़े इसके लिए कई बहाने करने लगा। इसकी शिकायत युवती ने थाने में की है। पुलिस ने युवती की शिकायत पर मामले को जांच में लेते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अधारताल पुलिस ने बताया कि संजय नगर पावर हाऊस निवासी 20 वर्षीय युवक कंचनपुर की एक फेक्टरी में मैनेजर है। फेक्टरी में घमापुर निवासी 20 वर्षीय एक युवती भी काम करती है। युवती ने बीते दिन घमापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई कि फेक्टरी के मैनेजर ने शादी के नाम पर उसका दैहिक शोषण किया है। पिछले कुछ माह से वह मैनेजर से शादी करने बोल रही है परंतु वह बहाने बताकर शादी से इंकार कर रहा है।

फोन उठाना भी बंद किया

पुलिस को युवती ने बताया कि 3 साल तक प्रेम संबंध की आड़ में मैनेजर उसके साथ ज्यादती कर रहा था। कई जगह ले जाकर उसके साथ दुराचार किया गया। अब युवक उसका फोन भी नहीं उठा रहा है। युवती का कहना था कि उसके साथ शादी वादा करने वाला युवक अब कहता है कि शादी नहीं करेगा।

आदिवासियों के हितार्थ कार्यक्रम 9 को

जबलपुर। 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस ,मूल निवासी दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेश एवं आदिवासी सबरी महासंघ व अन्य संघों द्वारा अधारताल तिराहे पर आदिवासियों के हितार्थ प्रात: 10:00 बजे से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसमें आदिवासी कानून लागू करने एवं जल जंगल जमीन बचाने हस्ताक्षर अभियान चलाकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा । पूर्व मंत्री कौशल्या गोटिया ने सामाजिक बंधुओं से उपस्थिति की अपील की है।

यादवेंद्र सिंह यादव कन्नू दादा नहीं रहे

जबलपुर। पूर्व जनपद अध्यक्ष पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कांग्रेस परिवार के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी यादवेंद्र सिंह यादव कन्नू दादा निधन हो गया ।अंतिम संस्कार उनके पैतृक निवास पाटन सकरा गांव में हुआ।

चतुर्थ पुण्यतिथि 7.8.2021

आपकी चतुर्थ पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारजन आपको अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

शोकाकुल

पुत्र: पार्थ सिंह एवं राजपूत परिवार
(राजपूत ढाबा कुसली) ग्राम कुसली,
पोस्ट मुर्रई कटंगी
मो. 9329446449, 626

स्व. शैलेन्द्र सिंह राजपूत

आवश्यकता है

ज्वेलरी शोरूम के लिए अनुभवी सेल्समेन एवं सेल्सगर्ल, कैश काउन्टर के लिए सीनियर सिटीजन, स्टाफ मैनेजमेंट की आवश्यकता है।

संपर्क
श्री हनुमंत छाया ज्वेलर्स गोहलपुर
मालगुजार परिसर के पहले
मो.9977112211
बायोडाटा सहित संपर्क करें

नाम सुधार

मैं BHARATSINGH GYAN SHING RAJPUT पिता श्री GYAN SHING RAJPUT यह घोषणा करता हूं कि मैं एसक्यूएई (ए) एण्ड एलपीआर खमरिया जबलपुर में कार्यरत हूं। मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरे पुत्र का नाम GOURAV SINGH RAJPUT दर्ज है। जिसमें मेरे पुत्र के नाम में RAJPUT अतिरिक्त दर्ज है। मेरे पुत्र के आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का नाम GOURAV SINGH दर्ज है जो कि सत्य व सही है। अत: मेरे सर्विस दस्तावेजों में मेरे पुत्र का सही नाम GOURAV SINGH दर्ज किया जाये।

गलत नाम GOURAV SINGH RAJPUT
सही नाम GOURAV SINGH
पता: क्वा. नं 1/13, एच-टाईप ईस्ट लैण्ड खमरिया

संपादकीय

हर जिले में बने आधुनिक खेल केंद्र

टोक्यो ओलंपिक में गांव व छोटे शहरों से आये खिलाड़ियों ने अविश्वसनीय प्रदर्शन करके देश का गौरव बढ़ाया है। बेहद मुश्किल हालातों और अभावों की तपिश से निखरी इन प्रतिभाओं को चमकाने में हमारे खेलतंत्र का कम व इन खिलाड़ियों के निजी प्रयास महत्वपूर्ण रहे। एक जुनून था अपने खेल में कुछ कर गुजरने का। दूरदराज के गांवों से निकले इन खिलाड़ियों ने खून-पसीना एक करके वैश्विक पहचान हासिल की। इनमें सोनीपत के नाहरी गांव के पहलवान रवि दहिया, मुक्तसर के कबरवाला गांव की डिस्कस थ्रोअर कमलप्रीत, असम के गोलाघाट जनपद के बरो मुखिया गांव की मुक्केबाज लवलीना बोरगोहाईं शामिल हैं। भारोत्तोलन में सबसे पहले रजत पदक जीतने वाली मणिपुर की मीराबाई चानू जब निकट के शहर में अभ्यास के लिये जाती थी तो धनाभाव में ट्रकों से लिफ्ट लेती थी। उसने पदक लेकर लौटने पर कई ट्रक चालकों को सम्मानित करके कृतज्ञता जाहिर की। इन खिलाड़ियों का संघर्ष कितना बड़ा है? वे बेहद मुश्किल हालातों से जूझकर देश के लिये तमगे लाते हैं। कुशल प्रशिक्षण व आधुनिक सुविधाओं से लैस पश्चिमी देशों के खिलाड़ियों से हारने के बाद मैदान में आंसू बहाते हमारे खिलाड़ी सपनों के बिखरने पर टूट जाते हैं। ये खिलाड़ी गरीबी, पितृसत्तात्मक समाज व अनेक पूर्वाग्रहों को परास्त करके खेलों में जी-जान लगा देते हैं। आखिर हम ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कब कर पायेंगे? समय आ गया है कि देश में खेलों के अनुकूल वातावरण तैयार किया जाये। आने वाले दशकों के लक्ष्य हासिल करने हेतु व्यावहारिक रोडमैप तैयार किया जाये, जिससे हमारे खिलाड़ी देश की झोली सोने-चांदी के पदकों से भर सकें। बेहतर प्रशिक्षण और अभ्यास के लिये आधुनिक संसाधन जुटाने से खिलाड़ियों के प्रदर्शन में अप्रत्याशित सुधार होता है। खिलाड़ी जहां मौलिक प्रतिभा और अभ्यास से अर्जित प्रतिभा से लक्ष्य हासिल करते हैं, वहीं सक्षम कोच व साधन भी जरूरी हैं। वक्त के साथ विश्वस्तरीय सुविधा, प्रशिक्षण व संसाधनों की खेलों में पदक जीतने में बड़ी भूमिका हो गई है। खेल के बारीक गुर और आधुनिक तकनीक भी खेलों की दशा-दिशा तय करती है। टोक्यो ओलंपिक व पहले की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उन भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन में अविश्वसनीय सुधार हुआ है, जिन्होंने विदेशों में या देश में विदेशी कोचों के जरिये प्रशिक्षण लिया। भारत में जहां हमारी मौलिक प्रतिभाएं रहती हैं, वहां खेल प्रशिक्षण की मूलभूत सुविधाओं का नितांत अभाव है। इन प्रतिभाओं को घर के पास खेल अकादमियां नहीं मिलती, दूर के शहर में सुविधा मिलती है तो उनके पास अकादमियों की फीस भरने के पैसे नहीं होते। गांव-देहात के कम आय वर्ग के बच्चे दिल्ली, बेंगलुरु, पटियाला और चेन्नई जैसी अकादमी वाले शहरों में लंबे समय तक रहकर प्रशिक्षण लेने में सक्षम भी नहीं होते। कई खिलाड़ियों को सैकड़ों किलोमीटर केवल अभ्यास के लिये रोज आना-जाना पड़ता है। इस दिशा में सुधार के लिये दृढ़ इच्छाशक्ति भी राजनेताओं में नजर नहीं आई। निस्संदेह रातों-रात ओलंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ी तैयार नहीं होते। दशकों पहले खेलतंत्र विकसित करना होता है। जरूरी है खिलाड़ियों को घर के नजदीक खेल का कौशल सुधारने वाला बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जाये। इसके अभाव में कई खेल प्रतिभाएं बीच में खेलना छोड़ देती हैं। हर जिले में राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं उपलब्ध करायी जायें। अपने मूल स्थानों पर ये प्रतिभाएं बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्हें पढ़ाई में कुछ छूट देने के साथ आर्थिक सहायता भी मिले ताकि वे बेफिक्र होकर खेल पर ध्यान लगा सकें। ऐसी खेल संस्कृति के विकास से हम अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजन करने में भी सक्षम हो सकेंगे। इस दिशा में ओडिशा सरकार की पहल अनुकरणीय है, जिसने न केवल देश की राष्ट्रीय टीमों को प्रायोजित किया बल्कि वर्ष 2023 में होने वाले पुरुष हाकी विश्वकप की मेजबानी हासिल कर ली। स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने के लिये सुंदरगढ़ जिले के सभी 17 ब्लॉकों में एस्ट्रोटर्फ मैदान तैयार हो रहे हैं। राउरकेला में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का हॉकी स्टेडियम तैयार हो रहा है। निश्चित रूप से यह जमीनी स्तर पर होने वाला निवेश भविष्य की पूंजी है।

ताकि भविष्य भी सुनहरा हो हॉकी का

भारतीय हॉकी के भविष्य से निराश हो चुके खेल प्रेमियों में टोक्यो ओलंपिक खेलों ने एक नयी आशा जगायी है। दशकों की बादशाहत के बाद अगर दशकों तक शर्मसार होना पड़े तो निराशा उसका स्वाभाविक परिणाम है। भारतीय पुरुष हॉकी के साथ ऐसा ही हुआ। कल्पना भी मुश्किल लगती है कि कोई एक टीम चार साल के अंतराल पर होने वाले ओलंपिक खेलों में लगातार छह स्वर्ण पदक जीते, मगर इसे हकीकत में बदलने का करिश्मा कर दिखाने वाला कोई और नहीं, भारत ही रहा। गुलाम भारत से स्वतंत्र भारत तक—हमारी पुरुष हॉकी टीम ने लगातार छह स्वर्ण पदक जीते। ओलंपिक में कुल स्वर्ण पदकों की बात करें तो आठ पदक जीतने का रिकॉर्ड भारत के नाम है। जिस देश की टीम ने गुलामी के दिनों में हॉकी में स्वर्णिम सफर की शुरुआत कर आजादी के बाद तक उसे शान से बरकरार रखा, उसे अगर पदक तो दूर ओलंपिक सेमीफाइनल में प्रवेश के लिए भी चार दशक इंतजार करना पड़े तो खेल की बदहाली और खिलाड़ियों की मनोदशा का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है।

जाहिर है, यह स्थिति अचानक नहीं हुई। पहले गुलाम और फिर नव स्वतंत्र देश भारत की बादशाहत से शर्मसार यूरोपीय देशों ने खेल मैदानों से लेकर नियमों तक में अपने अनुकूल परिवर्तन कर भारतीय हॉकी की बुनियाद हिलाने की साजिशें रचीं तो भारतीय हॉकी संघ पर काबिज मठाधीशों ने भी खेल की जड़ें खोदने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। जिन्होंने खुद कभी हॉकी से कोई कमाल नहीं दिखाया, वे हॉकी खिलाड़ियों का भविष्य बनाते-बिगाड़ते रहे। व्यक्तिगत पसंद-नापसंद, जी-हुजूरी खेल प्रतिभा और प्रदर्शन पर भारी पड़ने लगी। क्या आप विश्वास कर सकते हैं कि एके-47 के साये में भारतीय हॉकी संघ के अध्यक्ष का चुनाव हुआ होगा? जी हां, ऐसा ही हुआ था, जब एक राज्य के पुलिस प्रमुख ने हर हाल में हॉकी संघ का अध्यक्ष बनने की ठान ली थी। चुनाव दूसरे राज्य में हो रहा था, पर नियम-कानून को धता बता कर यह स्वयंभू खेल प्रेमी पुलिस अफसर वहां भी मतदाताओं को एके-47 से आतंकित करने में सफल रहा, और अंततः अध्यक्ष बनने में भी। जब खेल संघ इस हद तक राजनीति-मठाधीशी के अड्डे बन जायें, तब तो वही होना था, जो भारतीय हॉकी के साथ हुआ।

बेशक जीत, जीत ही होती है। इस लिहाज से 1980 के मॉस्को ओलंपिक खेलों में वासुदेव भास्करन के नेतृत्व वाली भारतीय हॉकी टीम द्वारा जीते गये स्वर्ण पदक को कम नहीं आंका जा सकता, पर इस सच से भी तो मुंह नहीं चुराया जा सकता कि अमेरिका और उसके मित्र देशों द्वारा बहिष्कार के चलते उन खेलों में सिर्फ छह पुरुष हॉकी टीमों ने ही भाग लिया था। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय टीम ने अपने हर मैच में शानदार हॉकी खेली और पूल में टॉप पर रहने वाली स्पेन की मजबूत टीम को फाइनल में 4-3 से हरा कर अपना रिकॉर्ड आठवां स्वर्ण पदक जीता था। 16 साल बाद वह स्वर्ण पदक जिताने में सुरिंदर सिंह सोढी की निर्णायक भूमिका रही, जिन्होंने उस ओलंपिक में 15 गोल दागे थे, जो किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा एक ओलंपिक में किये गये सर्वाधिक गोल हैं। इससे पहले 14 गोल का रिकॉर्ड मेजर ध्यानचंद के नाम था, जो उन्होंने अपने और देश के पहले ही ओलंपिक (एम्सटर्डम) में दागे थे। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले ध्यान चंद कितने आला दर्जे के खिलाड़ी थे, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपने आखिरी ओलंपिक में भी 13 तथा कुल तीन ओलंपिक खेलों में 39 गोल किये थे। अपने आखिरी ओलंपिक (बर्लिन) में ध्यान चंद भारतीय टीम के कप्तान भी थे और फाइनल में जर्मनी को 8-1 से हरा कर स्वर्ण पदक जीता था। बताते हैं कि ध्यान चंद के खेल से प्रभावित हिटलर ने उन्हें खाने पर आमंत्रित किया और जर्मन सेना में कर्नल बनाने का प्रलोभन देते हुए अपने देश की ओर से खेलने का प्रस्ताव दिया, जिसे उन्होंने यह कह कर ठुकरा दिया कि भारत मेरा वतन है, मैंने उसका नमक खाया है, मैं उसी के लिए खेलूंगा। यह वह स्वर्णिम दौर था, जब भारत खुद हॉकी की पहचान था और विपक्षी टीमें उसके विरुद्ध गोल करने तक के लिए तरस जाती थीं।

हॉकी के उसी जादूगर के देश में, खासकर पिछले चार दशकों में इस खेल का जैसा पतन हुआ, उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है, पर उसके लिए खिलाड़ियों से ज्यादा हॉकी संघ की मठाधीशी और उसमें निहित राजनीति जिम्मेदार रही है। ऐसा नहीं कि इस बीच भारत में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी नहीं हुए। कमोबेश इसी अवधि में ध्यान चंद के बेटे अशोक कुमार खेले, जफर इकबाल खेले, मोहम्मद शाहिद खेले, जगबीर सिंह खेले। यह फेहरिस्त लंबी बन सकती है, पर मुद्दा यह कि मठाधीशों के एजेंडा पर हॉकी खेल रहा ही नहीं। चार दशक के पतन के बाद अब टोक्यो ओलंपिक में जर्मनी को 5-4 से हरा कर कांस्य पदक जीत भारतीय टीम ने हॉकी के पुनरुत्थान की आस जगायी तो इसे ऐतिहासिक अवसर से कम नहीं माना जा सकता। इसलिए भी कि टोक्यो में ओलंपिक भारतीय हॉकी के लिए अतीत में भी शुभ रहे हैं। ध्यान रहे कि 1960 के रोम ओलंपिक फाइनल में पाकिस्तान ने भारत का लगातार सातवां स्वर्ण पदक जीतने का सपना तोड़ दिया था, जिसका बदला चार साल बाद टोक्यो में हुए ओलंपिक में ही लिया जा सका था। बेशक उसके बाद 1968 के मैक्सिको और 1972 के म्यूनिख ओलंपिक भी आये, जब भारत को कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। इस बार चार दशक के लंबे अंतराल के बाद टोक्यो में कांस्य पदक मिला है, जो निश्चय ही हॉकी के बेहतर भविष्य की उम्मीद जगाता है।

टोक्यो ओलंपिक पुरुष टीम को मिले कांस्य के अलावा भारतीय महिला हॉकी टीम के प्रदर्शन के लिए भी यादगार रहेगा। बेशक हमारी महिला टीम ब्रिटेन से कड़े मुकाबले में कांस्य जीतने से चूक गयी, लेकिन कमजोर शुरुआत के बावजूद जीवट की बदौलत पहली बार सेमीफाइनल में पहुंच कर उसने भी उम्मीद जगायी है कि पेरिस में होने वाले अगले ओलंपिक खेलों से खाली हाथ तो नहीं लौटेगी। पिछले रियो ओलंपिक में 12 टीमों में 12वें स्थान पर रही भारतीय महिला हॉकी टीम के टोक्यो में चमत्कारिक प्रदर्शन का उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि उसमें नौ बेटियां हरियाणा की हैं। हरियाणा की पहचान महिला हॉकी की नर्सरी की रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इन सभी को 50-50 लाख रुपये पुरस्कार की घोषणा कर उनकी प्रतिभा-क्षमता का सम्मान ही किया है। पंजाब सरकार ने पुरुष हॉकी टीम के आठ सदस्यों को एक-एक करोड़ रुपये पुरस्कार का ऐलान किया है। निश्चय ही बेहतर प्रदर्शन की पहचान और मान-सम्मान से और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में लगातार शानदार प्रदर्शन के लिए सुनियोजित नीति और समर्पित प्रयास अनिवार्य हैं। पदक जीतने पर पुरस्कार से भी बेहतर परिणामदायक हो सकता है खेल और खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचानने-परखने-निखारने का व्यापक आधारभूत ढांचा और सुविधाएं। इस लिहाज से ओडिशा सरकार की प्रशंसा की जानी चाहिए, जो 2018 में सहारा इंडिया द्वारा पीछे हट जाने के बाद से पुरुष और महिला, दोनों हॉकी टीमों की प्रायोजक बनी हुई है। अगर भारत को अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में आबादी नहीं, अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप भी प्रदर्शन करना है तो खेल और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाओं के लिए धन की कमी को दूर करना होगा। राज्य सरकारें एक-एक खेल की प्रायोजक बन कर इस दिशा में शुरुआत करें और बड़े उद्योग समूहों को भी प्रेरित किया जाये कि वे क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों को प्रायोजित करें।

-राजकुमार सिंह

आप का राशिफल 08 अगस्त

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो अ

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है।धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग है। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर भो जा जी खी खू खे खो गा गी

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-7-8

फिल्म वर्ग पहेली- 5520

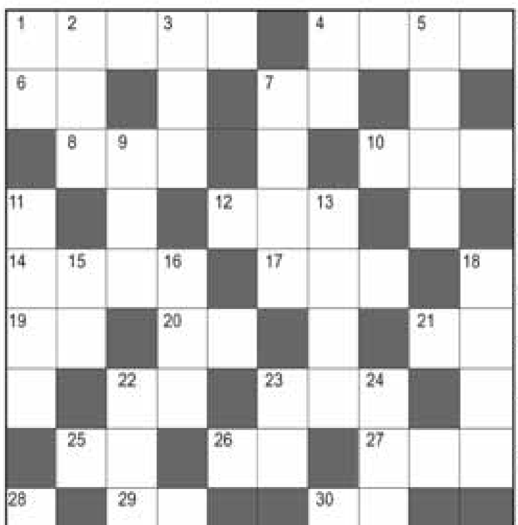

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूं मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अम्षित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, तारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरुदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5519

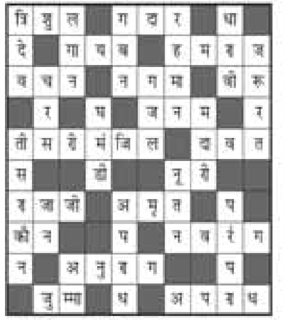

Jagrutidaur.com, Bangalore

बाल झड़ने की समस्या से हैं परेशान तो घर पर बनाएं ये आयुर्वेदिक चूर्ण

प्रदूषण और खाने-पीने की चीजों में पोषण की कमी के कारण बाल झड़ने की समस्या तेजी से बढ़ रही है। बालों को झड़ने से रोकने के लिए आप तरह-तरह की दवाएं, तेल और जेल का प्रयोग करते हैं। अगर इन सभी से इस्तेमाल से भी आपको कोई लाभ नहीं हुआ है, तो एक बार आयुर्वेदिक औषधि भी आजमा कर देखें। आयुर्वेद में कई ऐसी औषधियां हैं, जो बालों की समस्याओं के लिए विशेष तौर पर जानी जाती हैं। ऐसी ही एक औषधि है त्रिफला, जो तीन जड़ी-बूटियों को मिलाकर बनती है। आइए आपको बताते हैं किस तरह ये बालों के झड़ने की समस्या में आपके लिए फायदेमंद है और कैसे करें इसका इस्तेमाल। खास बात ये है कि इसे आप घर पर भी बना सकते हैं।

घर पर बनाएं त्रिफला चूर्ण

बाल झड़ने की समस्या में त्रिफला चूर्ण बहुत फायदेमंद है। त्रिफला स्वयं कोई औषधि नहीं है, बल्कि ये तीन अलग-अलग औषधियों का मिश्रण है, जिसे आयुर्वेदि में बहुत फायदेमंद माना जाता है। ये चूर्ण बनाने के लिये आपको सूखे हुये बड़ी हरड़, बहेड़ा और आंवला चाहिये। तीनों ही फल स्वच्छ एवं बिना कीड़े लगे होने चाहिये। इनकी गुठली निकाल दें और थोड़ा-थोड़ा मोटा कूट ले फिर उस के बाद उसे मिक्सी में बारीक पीस लें और छान लें एवं बचे हुये भाग का अलग-अलग चूर्ण बना लें। बारीक छने हुये तीनों प्रकार के चूर्णों को 1=2=4 के अनुपात में मिलायें और किसी जार में भरकर रख लें।

बालों के लिए आयुर्वेदिक नुस्खा

आयुर्वेद में बालों के लिए सबसे फायदेमंद रीठा, शिकाकाई और त्रिफला होते हैं। इन सबके बीज निकालकर मिश्रित पाउडर बना लें। यदि आपके बाल लम्बे हैं तो दो कप पानी में चार चम्मच पाउडर मिलाकर रात को भिगोकर रख दें। सुबह इसे ठीक प्रकार से सर में लगा लें और आधे घंटे बाद पानी से धो लें। इस तरह सप्ताह में तीन दिन इसका प्रयोग करें। यह बालों को गिरने से रोकने में सहायक होता है और रूसी को भी खत्म करता है।इसे भी पढ़ें- पेट के लिए बहुत फायदेमंद है बादाम का तेल, कब्ज और कोलेस्ट्रॉल को करता है दूर।

कैसे करें इसका सेवन

किसी भी उम्र का कोई भी व्यक्ति त्रिफला का सेवन कर सकता है। लेकिन इसके लिये पहले बेड टी की आदत को छोड़ना होगा। पूर्ण लाभ के लिये सुबह उठने के तुरंत बाद कुल्ला करके ताजे पानी के साथ त्रिफला का सेवन करना होता है। इसके बाद कम से कम एक घंटे तक किसी भी चीज का सेवन नहीं करना चाहिए। हां पानी पिया जा सकता है। इसकी मात्रा का निर्धारण उम्र के हिसाब से किया जाता है। जितनी उम्र है उतने रत्ती त्रिफला का दिन में एक बार सेवन करना होता है।

सूडोकू नवताल- 6039

✱✱✱✱✱ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -6038 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

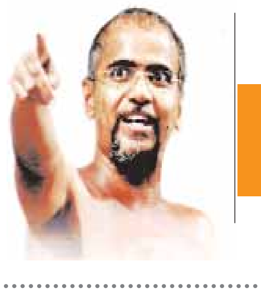

विचार प्रवाह

10 साल के हो जाओ तो मां की उंगली पकड़कर चलना छोड़ दो। 20 साल के हो जाओ तो खिलौनों से खेलना छोड़ दो। 30 सालके हो जाओ तो इधर उधर घुमाना छोड़ दो। 40 साल के हो जाओ तो रात में खाना छोड़ दो। 50 साल के हो जाओ तो होटल में जाना छोड़ दो। 60 साल के हो जाओ तो व्यापार करना छोड़ दो। 70 साल के हो जाओ तो बिस्तर पर सोना छोड़ दो। 80 साल के हो जाओ तो लस्सी पीना छोड़ दो। 90 साल के हो जाओ तो और जीने की आशा छोड़ दो। 100 साल के हो जाओ तो दुनिया को ही छोड़ दो।

मुनिश्री तरुणसागर जी महाराज

शब्द पहेली - 7111

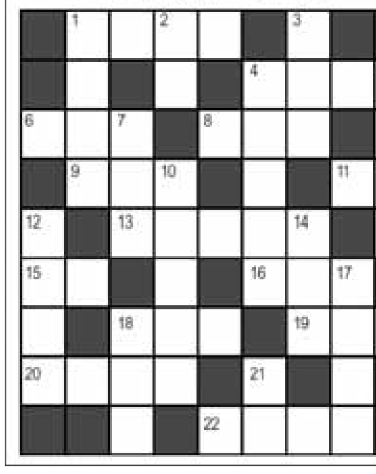

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर,कृपाण-4
4. उपद्रवी,आतंकी-4
6. अनुबंध,संधि-3
8. धोखा,छल,मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी,जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा,कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा,विशाल-3
4. अपनत्व,अपनापा-5
5. अनबन,झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहबीवदार-5
12. अकस्मात,सहसा-4
14. दृष्टि,निगाह-3
17. बेमिसाल,अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -7110 का हल

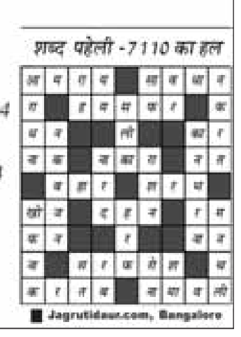

Jagrutidaur.com, Bangalore

सात माह में सात हजार से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण

भोपाल। कोरोना संकट में जब काम की गति पर ब्रेक लगा था, तब मध्य प्रदेश पुलिस संकट से निपटने के रास्ते तलाश रही थी। तकनीक की मदद से राह तलाशी गई और आज आंकड़े गवाह हैं कि मेहनत रंग लाई है। यह काम पुलिस मुख्यालय की प्रशिक्षण शाखा ने किया है। ऑनलाइन माध्यम से इस वर्ष जनवरी से जुलाई तक 101 विभागीय पाठ्यक्रम में 7392 अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि कोरोना से पहले तक किसी एक जगह बुलाकर प्रशिक्षण देने में इतने ही पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण दिया जाता तो केवल दो से ढाई हजार पुलिसकर्मी ही लाभान्वित हो पाते थे।ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण की शुरुआत कोरोना की पहली लहर के बाद ही शुरू हुई। तकनीकी दिक्कतों से जूझते हुए शुरू में काफी परेशानी आई लेकिन बाद में इसकी पुख्ता व्यवस्था की गई। जब प्रदेशभर में प्रशिक्षण की ऑनलाइन व्यवस्था में संख्या बढ़ने लगी तो पुलिस मुख्यालय ने इस व्यवस्था को स्थायी बनाने की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं। ऑनलाइन प्रशिक्षण देने में दूसरे लाभ भी हुए।पुलिसकर्मियों को आने-जाने का खर्च नहीं देना पड़ा, उनका समय भी बचा और शासकीय कार्य भी प्रभावित नहीं हुआ। पहले प्रशिक्षण देने के लिए किसी एक स्थान पर संबंधितों को बुलाया जाता था। इससे सीमित संख्या में पुलिसकर्मी आ पाते थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि 101 पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण ही प्रत्यक्ष रूप से दिया जाता तो यह संख्या ढाई हजार से अधिक नहीं हो पाती।

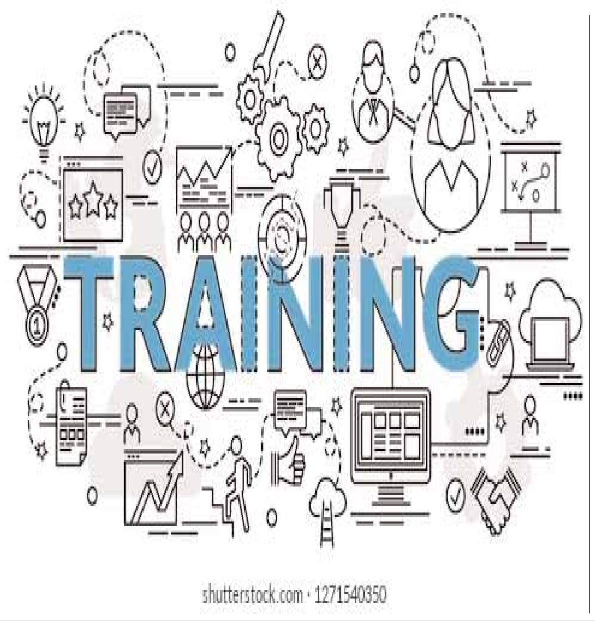

परीक्षा भी ऑनलाइन लेने की तैयारी

अब परीक्षा भी ऑनलाइन लेने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम की तैयारी की जा रही है। इस व्यवस्था से विभिन्न् पाठ्यक्रमों में सर्टिफिकेट कोर्स करने वालों को फायदा होगा और वे अपने शहर से प्रशिक्षण प्राप्त कर दक्षता हासिल कर सकेंगे। कुछ प्रशिक्षण के रिकॉर्डेड वीडियो भी पुलिस के यूट्यूब चैनल पर हैं। इससे वे पुलिसकर्मी भी सीख सकते हैं, जो अधिकृत रूप से प्रशिक्षण में शामिल नहीं हो सके थे।

साढ़े तीन करोड़ रुपये से अधिक बचाए

किसी स्थान पर बुलाकर प्रशिक्षण देने पर एक अधिकारी या कर्मचारी पर दो से तीन दिन ठहरने, खाने और यात्रा भत्ता समेत चार से पांच हजार रुपये का खर्च आता। ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से खर्च बचा और पुलिस मुख्यालय ने लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपये बचा लिए।

कोविड को चुनौती के रूप में लेते हुए प्रशिक्षण पद्धति में बदलाव किया गया था। उद्देश्य अधिक से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों तक पहुंच बनाने का था। प्रयोग सफल रहे और आज विभाग में इसे पसंद किया जा रहा है। ऑनलाइन माध्यम अब स्थायी तौर पर स्थापित होने की दिशा में अग्रसर है।- **मलय जैन, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, प्रशिक्षण शाखा**

अगले तीन साल में पुलिसकर्मियों के लिए बनाएंगे अधिकतम आवा- नरोत्तम मिश्रा

भोपाल। प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि पुलिसकर्मियों की सुविधा के लिए आवश्यक इंतजाम सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। आगामी तीन वर्ष में पुलिसकर्मियों के लिए अधिकतम आवासों के निर्माण के लिए समुचित प्रयास किए जाएंगे।डॉ. मिश्रा पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आठ जिलों में 304 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित 1556 आवासों के वर्चुअल लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि कोरोना जैसे संकट में भी पुलिस ने कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य किया है। हमारे जवानों को बलिदान भी देना पड़ा है। बीते 40 साल में पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन ने प्रतिवर्ष औसतन 800 आवास का निर्माण किया है। मुख्यमंत्री पुलिस आवास योजना के अंतर्गत 2384 पुलिस आवास-गृहों का निर्माण किया गया है। छह अगस्त को इंदौर में भी 818 पुलिस आवास-गृहों का लोकार्पण किया जाएगा।गृह मंत्री ने विभिन्न् जिलों के पुलिसकर्मियों से वर्चुअली संवाद भी किया। अध्यक्ष, पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन विजय यादव ने बताया कि 1556 आवास-गृहों में से ग्वालियर के 576 और सीधी तथा बुरहानपुर में 68-68, रीवा में 256, सागर में 180, जबलपुर में 152 और छतरपुर तथा धार के 128-128 आवास लोकार्पित किए गए हैं। समारोह में पुलिस महानिदेशक विवेक जौहरी, अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा, प्रबंध संचालक पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन उपेंद्र जैन आदि अधिकारी मौजूद रहे।

2425 होमगार्ड को एसडीइआरएफ में देंगे प्रतिनियुक्ति

मीडिया से चर्चा में गृह मंत्री ने बताया कि बाढ़ एवं अन्य आपदा के समय व्यवस्थाओं को और अधिक पुख्ता बनाने का काम जारी है। इसके तहत 2425 होमगार्ड को एसडीइआरएफ (स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रैपिड फोर्स) में प्रतिनियुक्ति पर भेजा जाएगा। इसमें उन होमगार्ड को भी शामिल किया जाएगा, जिन्होंने सिंहस्थ के दौरान सेवाएं दी थी।

भोपाल के पास चंदनपुरा की भूमि संरक्षित वन घोषित, प्लाट मालिकों की बढ़ेगी मुश्किल

बाघ भ्रमण क्षेत्र चंदनपुरा होटल-रिजॉर्ट सहित अन्य व्यावसायिक केंद्र नहीं बन सकेंगे

भोपाल। राज्य शासन ने राजधानी से सटे बाघ भ्रमण क्षेत्र चंदनपुरा की 238.141 हेक्टेयर भूमि को संरक्षित वन क्षेत्र घोषित कर दिया है। इसमें छावनी गांव की 79.117 हेक्टेयर भूमि भी शामिल है। शासन ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। यह राजस्व भूमि थी, जिसमें छोटे-बड़े झाड़ का जंगल है। फिर भी यहां रसूखदारों के प्लाट हैं। जिन पर होटल-रिजॉर्ट सहित अन्य व्यावसायिक ढांचे खड़े होने थे। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने फरवरी 2020 को इस क्षेत्र को संरक्षित घोषित करने के निर्देश दिए थे। अब इस भूमि पर होटल-रिजॉर्ट एवं अन्य व्यावसायिक केंद्र नहीं खोले जा सकेंगे। बल्कि पौधारोपण कर इसे जंगल बनाया जाएगा।

जनजाति संग्रहालय एवं पुरातत्व संग्रहालय की बदले वन विभाग को चंदनपुरा में दी गई 357.780 हेक्टेयर राजस्व भूमि और उससे सटे क्षेत्र में रसूखदारों ने जमीन खरीद ली हैं। इनमें नेता, बड़े अधिकारी, बिल्डर और उद्योगपति शामिल हैं, जो बंगले बनाने के साथ विभिन्न् व्यावसायिक केंद्र भी खोलना चाहते हैं। जबकि इस क्षेत्र में एक दर्जन से ज्यादा बाघ सक्रिय हैं। इसे लेकर भोपाल के नूर मोहम्मद ने एनजीटी में याचिका लगाई थी। उन्होंने इस क्षेत्र को बाघों के लिए संरक्षित क्षेत्र घोषित करने की मांग की थी।

मामले की सुनवाई करते हुए एनजीटी ने छह फरवरी 2020 को इस भूमि को संरक्षित वन घोषित करने के निर्देश दिए थे। एनजीटी ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करने को कहा था, जिसे क्षेत्र का दौरा कर वास्तुस्थिति बताना थी। समिति का गठन न होने पर एनजीटी ने दोबारा भी निर्देश जारी किए थे। इस बीच केंद्रीय वन मंत्रालय के अधिकारियों के एक दल ने क्षेत्र का दौरा किया और इसे संरक्षित वन क्षेत्र घोषित करने के पक्ष में लिखा।

सीसीएफ ने मई में भेजा था प्रस्ताव

भोपाल वनवृत्त के मुख्य वनसंरक्षक ने मई 2021 में इस भूमि को संरक्षित वन घोषित करने का प्रस्ताव वन मुख्यालय को भेज दिया था।

कहां तक रहेगी सीमा

शासन ने संरक्षित वन क्षेत्र की सीमा भी तय कर दी है। इसके तहत उत्तर में मेंडोरो-दो के मुनारा क्रमांक 17 एवं संरक्षित वन खंड के मुनारा क्रमांक 42 से 62 तक कृत्रिम वनसीमा रहेगी। पूर्व में संरक्षित वनखंड के मुनारा क्रमांक 62 से 74, दक्षिण में मुनारा क्रमांक 74 से 82 और मेंडोरा-दो के मुनारा क्रमांक 26 से 21 और पश्चिम में मेंडोरा-दो के मुनारा क्रमांक 21 एवं संरक्षित वनखंड के मुनारा क्रमांक 83 एवं मेंडोरा-दो के मुनारा 19 से 17 तक सीमा रहेगी।

इसका ज्यादा प्रभाव नहीं

राज्य वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी आरके दीक्षित बताते हैं कि यह बड़ी उपलब्धि नहीं कही जा सकती है। क्योंकि जंगल के मामले में संरक्षित वन सबसे कमजोर होता है। लोग अक्सर इसे बाघों के संरक्षण से जोड़कर देख लेते हैं और बड़ा समझते हैं। जबकि आरक्षित वन क्षेत्र ज्यादा प्रभावी होता।

मध्यान्ह भोजन पकाने के लिए स्कूलों में लगेंगे बायोगैस संयंत्र

मध्य प्रदेश में मध्याह्न भोजन के लिए साढ़े नौ हजार बॉयोगैस संयंत्र लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

भोपाल। खाना पकाने के लिए पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार ऐसे 2549 स्कूलों में बॉयोगैस संयंत्र लगाने जा रही है, जिनमें रोज दो सौ से अधिक विद्यार्थियों का मध्या- भोजन तैयार होता है। यह व्यवस्था गोबर धन योजना के तहत की जा रही है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत वर्ष 2021-22 में 9500 बॉयोगैस संयंत्र लगाने का लक्ष्य तय किया है। जरूरत और मांग के अनुसार सामुदायिक, सामूहिक व व्यक्तिगत संयंत्र भी लगाए जाएंगे।

रसोई को भी स्वच्छ एवं धुआं रहित बनाने के प्रयास

जानकारी के अनुसार स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (द्वितीय चरण) के तहत खाना पकाने के लिए रसोई को भी स्वच्छ एवं धुआं रहित बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसलिए गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बॉयो एग्रो रिसोर्सेस (गोबर धन) परियोजना लाई गई है। इसी के तहत बॉयोगैस संयंत्र निर्माण हो रहे हैं।

एक गौशाला और पांच से 10 घरों के बीच 20 से 25 सामूहिक बॉयोगैस संयंत्र

कोरोना की वजह से स्कूल बंद थे, इसलिए प्रत्येक जिले में कम से कम एक गौशाला और पांच से 10 घरों के बीच 20 से 25 सामूहिक बॉयोगैस संयंत्र लगाए जा रहे हैं। इसमें सरकारी एजेंसी के रूप में ऊर्जा विकास निगम एवं एमपी एग्रो से सहयोग लिया जा रहा है।

ग्राम पंचायत देगी प्रस्ताव

बॉयोगैस संयंत्र के लिए ग्राम पंचायत स्थल चयन कर अनुशंसा सहित प्रस्ताव जनपद पंचायत को प्रेषित करेगी। जनपद से प्रस्ताव जिला पंचायत में पहुंचेंगे। जहां जिला स्तरीय तकनीकी समिति परीक्षण कर प्रशासकीय स्वीकृति जारी करेगी।

बैरागढ़ में विसर्जन घाट का नामकरण भगवान झूलेलाल के नाम पर करने की मांग

भोपाल। राजधानी के उपनगर बैरागढ़ में सिंधी सेंट्रल पंचायत ने सीहोर नाका स्थित विसर्जन घाट का नामकरण करने की मांग की है। पंचायत की मांग है कि अब इसे भगवान झूलेलाल घाट कहा जाए। नामकरण का बोर्ड भी घाट पर लगाया जाए। घाट के नामकरण का प्रस्ताव नगर निगम परिषद में काफी समय पहले ही पारित किया जा चुका है।गौरतलब है कि पंचायत संस्थापक नानक चंदनानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वासुदेव वाधवानी, महासचिव सुरेश जसवानी, सचिव रमेश हिंगोरानी एवं प्रवक्ता महेश खटवानी ने विधायक रामेश्वर शर्मा एवं नगर निगम कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा है कि महापौर सुनील सूद के कार्यकाल में नगर निगम की आम बैठक में तत्कालीन पार्षद स्व. ईश्वरी नाथानी ने 16 अक्टूबर 2009 को विसर्जन घाट का नाम भगवान झूलेलाल किए जाने का प्रस्ताव रखा था, जिस बावत संकल्प पारित करते हुए 22 अक्टूबर 2009 को अंतिम आदेश जारी किया, लेकिन आज तक विसर्जन घाट का नामकरण नहीं हो पाया है। इसी बीच नामकरण का प्रस्ताव रखने वाली पूर्व पार्षद ईश्वरी नाथानी का पांच साल स्वर्गवास भी हो गया और उनका यह सपना अधूरा रह गया।

आदेश जारी हो चुका है फिर क्यों नहीं लगा बोर्ड

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत पदाधिकारियों ने मांग की है कि चूंकि नगर निगम 22 अक्टूबर 2019 को आदेश जारी कर चुका है, इस कारण पार्क एवं घाट का नाम भगवान झूलेलाल ही रखते हुए इस आशय का बोर्ड लगाया जाए। नगर निगम के कमिश्नर एवं विधायक रामेश्वर शर्मा को लिखे पत्र में पंचायत ने कहा है कि हर साल यहां गणेश व दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन होता है1 इसी तरह छठ पूजा भी भव्य स्वरूप में भोजपुरी समाज द्वारा की जाती है1 ऐसे में विसर्जन घाट को भगवान झूलेलाल का नाम मिलने से इसकी भव्यता और बढ़ जाएगी। आदेश जारी होने के बाद भी बोर्ड न लगना चिंता का विषय है।

बाढ़ पीड़ितों के परिवारों को छह हजार रुपये की सहायता देगी शिवराज सरकार

भोपाल। प्रदेश में बाढ़ से पीड़ित परिवारों को सरकार छह हजार रुपये की राहत देगी। यह राशि उन परिवारों को दी जाएगी, जिनके मकान बाढ़ में बह गए या ध्वस्त हो गए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह घोषणा कैबिनेट बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित करते हुए की। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई कैबिनेट बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने बताया कि बाढ़ से काफी क्षति हुई है। जैसे-जैसे स्थिति सामान्य होगी, नुकसान का सर्वे शुरू किया जाएगा। कई घरों और फसलों को नुकसान हुआ है। ऐसे परिवार, जिनके घर पूर्ण या आंशिक तौर पर क्षतिग्रस्त हो गए हैं उन्हें छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराई जाएगी। इनके मकान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिलने वाली राशि के बराबर राशि उपलब्ध कराकर बनवाए जाएंगे।

कैबिनेट ने प्रथम अनुपूरक बजट प्रस्ताव को दी मंजूरी

बैठक में वित्त विभाग की ओर से प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2021-22 के प्रथम अनुपूरक अनुमान (बजट) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। यह करीब आठ हजार करोड़ रुपये का होगा। इसमें कोरोना संकट से निपटने के लिए स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा सहित अन्य विभागों को अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराई जाएगी। बाढ़ से प्रभावितों को राहत देने के लिए प्रविधान किया जा सकता है। चर्चा के दौरान लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में केंद्रीय सहायता या एक प्रतिशत अतिरिक्त ऋण सीमा प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं। इसके लिए केंद्र सरकार से अनुरोध करने हम सब भी साथ चल सकते हैं।

राजधानी के कॉलेजों में ऑनर्स के साथ कंप्यूटर पाठ्यक्रमों की बढ़ी मांग

भोपाल। कोरोना काल ने कॉलेजों में कंप्यूटर कोर्स की मांग बढ़ गई है। इस साल ऑनर्स कोर्स के साथ कंप्यूटर और बीए, बीकॉम व बीएससी के साथ कंप्यूटर कोर्स में विद्यार्थी ज्यादा प्रवेश ले रहे हैं। बायोटेक्नालाजी कोर्स की मांग भी बढ़ी है। प्रदेश के करीब 1450 सरकारी और निजी कॉलेजों में प्रवेश के लिए पंजीयन प्रक्रिया एक अगस्त से शुरू कर दी गई है। ई-प्रवेश के माध्यम से कॉलेजों के लिए शुरू की गई प्रवेश प्रक्रिया में तेजी से पंजीयन हो रहा है। शुक्रवार तक यूजी और पीजी के कुल 2,69,937 पंजीयन हो चुके हैं। इसमें 2,46,666 विद्यार्थियों ने अपनी पसंद के कॉलेज को चुनकर च्वाइस लॉक की है। 1,40,651 ने ऑनलाइन सत्यापन भी करा लिया है। वहीं बीएड कॉलेजों में प्रवेश के लिए अब तक 44,272 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन पंजीयन कराकर 50,492 ने कॉलेज के लिए च्वाइस लॉक की है, जबकि 37,247 के सत्यापन हो चुके हैं। यूजी में 12 अगस्त व पीजी में सात अगस्त तक पंजीयन होंगे। यूजी में सत्यापन 14 अगस्त और पीजी नौ अगस्त तक होगा। यूजी का अलाटमेंट 20 अगस्त और पीजी का अलाटमेंट सूची 14 अगस्त को जारी किया जाएगा।

कॉलेजों में बनाए गए हेल्प सेंटर

विभाग ने कॉलेजों में प्रवेश के लिए हेल्प सेंटर बनाए हैं। जहां विद्यार्थी अपनी किसी समस्या का निराकरण करवा सकते हैं। असुविधा के लिए वे मुख्यालय स्तर पर 0755-2551698, 2554763 और एमपी ऑनलाइन के हेल्प सेंटर 0755-6720201 और बीएड के लिए 0755-2554572 पर संपर्क कर सकते है। बीएड कॉलेज में ऑनलाइन प्रवेश के लिए विभाग तीन दौर करवाएगा। राजधानी के नूतन कॉलेज, एमवीएम, गीताजंलि या एमएलबी कॉलेज में रोज दस्तावेज सत्यापन के लिए करीब 100 से 150 विद्यार्थी पहुंच रहे हैं। इस बार प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है। दस्तावेज सत्यापन में त्रुटि पाए जाने पर विद्यार्थियों को कॉलेज बुलाया जा रहा है।

कंप्यूटर आधारित व्यावसायिक कोर्स की मांग बहुत बढ़ गई है। इसकी सीटें भर जाती है, इसके कटऑफ काफी अधिक होते हैं।

डॉ संतोष यादव, एडमिशन प्रभारी, नूतन कॉलेज

हर साल बीकॉम और कंप्यूटर कोर्सेस में सबसे ज्यादा एडमिशन होते हैं। इसके अलावा

डॉ अल्का डेविड, प्राचार्य, गीताजंलि कॉलेज

पीड़ितों की थाली तक बही मंत्रीजी की टेबल पकवानों से सजी

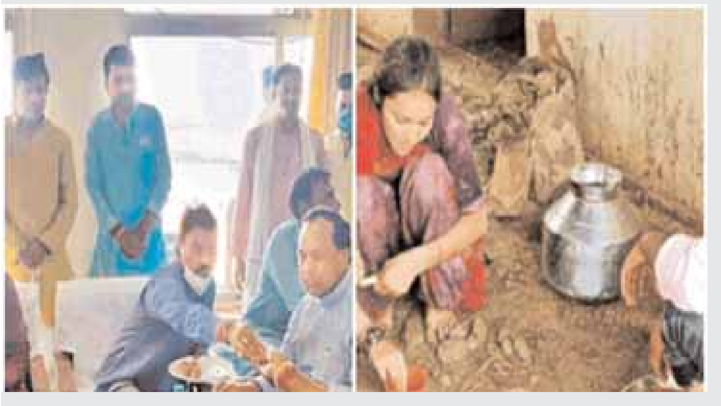

ग्वालियर। भीषण बाढ़ की विभीषिका झेल रहे ग्वालियर चंबल अंचल के दौरे पर मंत्रियों की कतार लगी हुई है। लेकिन बाढ़ पीड़ितों की स्थिति में कोई खासा सुधार नहीं है। तीन दिन बीत जाने के बाद भी लोग एक-एक दाने के लिए मोहताज हैं। शुक्रवार को शिवपुरी में बाढ़ पीड़ितों का दर्द बांटने पहुंचे प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट की एक तस्वीर ने अपनी घर गृहस्थी गंवा चुके हजारों लोगों का दर्द और बढ़ा दिया। वायरल तस्वीरों में तुलसी सिलावट और राज्यमंत्री सुरेश राठखेड़ा के सामने रखी टेबल पर मौसमी व्यंजन सजे हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ श्योपुर के मेवाड़ा गांव में एक परिवार की रसोई भी बह गई तो उन्होंने मिट्टी के बर्तनों में कीचड़ से सने अपने आशियाने के सामने पेट भरने की जुगत लगाई । इन तस्वीरों को लेकर कांग्रेस ने भी तंज कसा है। प्रदेश प्रवक्ता केके मिश्रा ने कहा कि मंत्रीजी बाढ़ टूरिज्म पर हैं।ग्वालियर चंबल अंचल में शिवपुरी, श्योपुर, दतिया, भिंड, ग्वालियर का भितरवार इलाका बाढ़ की चपेट में आने से बुरी तरह बर्बाद हो चुका है। यहां पर लोगों की जीवन भर की पुंजी पानी में बह गई है। खेतों में फसलें चौपट हो गई है। ऐसे में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट का इस प्रकार का फोटो वायरल होना प्रदेश सरकार की मुश्किलें बढ़ा सकता है। साथ ही आमजन में भी शासन को लेकर आक्रोश व्याप्त है। क्योंकि श्योपुर सहित कई अन्य इलाकों में लोग बाढ़ से पहले एवं बाद में जारी राहत कार्यों को लेकर असंतुष्ट हैं।

डबलफोर्टिफाइड नमक के इस्तेमाल की कवायद, आपूर्ति को लेकर असमंजस

सरकार का दावा : आयोडीन एवं आयरनयुक्त नमक में एनीमिया को कम करने की क्षमता

कटनी। राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों, गर्भवती एवं धाती माताओं को डबलफोर्टिफाइड नमक का इस्तेमाल किए जाने को लेकर पिछले एक साल से तैयारियां की जा रही है लेकिन अभी तक इसमे अमल शुरू नहीं हो पाया है। सरकार ने एक बार फिर डबलफोर्टिफाइड नमक के इस्तेमाल को लेकर नए निर्देश जारी किए गए हैं, हालांकि कटनी में इस तरह के कोई निर्देश नहीं पहुंचे हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह का कहना है कि 4 अगस्त को शासन स्तर पर एक सेमीनार का आयोजन किया गया था, जिसमे कटनी जिले के अधिकारी बेवीनाार के माध्यम से जुड़े थे। उसमे आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों, गर्भवती एवं धाती माताओं को डबलफोर्टिफाइड नमक का इस्तेमाल किए जाने की बात कही गई थी, हालांकि अभी तक कोई आदेश जारी नहीं हुए हैं। आपूर्ति का लेकर भी अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। गौरतलब है कि प्रदेश के 20 जिलों में दो साल से इस नमक का प्रयोग के तौर पर इस्तेमाल हो रहा था, इसके अच्छे परिणाम सामने आने पर इसे बच्चों, गर्भवती-धाती माताओं और मरीजों के खाने में इस्तेमाल करने का फैसला लिया गया है। राज्य सरकार का दावा है कि इसके इस्तेमाल से रक्ताल्पता एनीमिया में पांच फीसद की कमी आई है। बताया जाता है कि प्रदेश में रक्ताल्पता को कम करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार ऐसे बच्चे, महिला और पुरुषों को अनुपूरक के रूप में आयरन फोलिक एसिड दे रही है, इसके साथ ही फूड फोर्टिफिकेशन खाद्य किलेबंदी की रणनीति के तहत डबल फोर्टिफाइड नमक दिया जा रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने वर्ष 2018 में 20 जिलों के 89 विकासखंडों में उचित मूल्य राशन के साथ यह नमक देना शुरू कर दिया था। जिन लोगों को यह नमक दिया गया, शुरूआत में उनका सर्वे किया और हाल ही में दोबारा सर्वे किया, तो अंतर सामने आ गया। इसके बाद मध्य प्रदेश स्टेट सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन ने आंगनवाड़ी स्कूल और सरकारी अस्पतालों में तैयार होने वाले आहार में इस नमक के इस्तेमाल का बढ़ावा देने की रणनीति तैयार की है।

रक्ताल्पता को दूर करने के लिए विशेष रूप से तैयार इस नमक में आयरन और आयोडीन है। इसमें 850.1100 पीपीएम पाट्स पर मिलियन आयरन और 20.30 पीपीएम आयोडीन है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुताबिक प्रदेश में 6 से 59 माह के 68.9 फीसद बच्चे, 15 से 49 साल की 52.4 फीसद महिलाएं, 54 फीसद गर्भवती एवं 15 से 49 साल के 25.5 फीसद पुरुष खून की कमी के शिकार हैं। अब सरकार ने प्रदेश के 94 हजार से ज्यादा आंगनवाड़ी केंद्रों सहित कटनी जिले के 1712 आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों, गर्भवती एवं धाती माताओं और सरकारी अस्पतालों में मरीजों के लिए बनने वाले खाने में अब डबलफोर्टिफाइड नमक का इस्तेमाल किये जाने को लेकर कवायद शुरू की है।

टीकाकरण केन्द्रों में नगर निगम कर रहा आवश्यक व्यवस्थाएं

कटनी। जिला कलेक्टर प्रियंक मिश्रा एवं निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए आयोजित होनें वाले वेक्सीनेशन सत्रों में निगम प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाओं को पूर्ण कराया जा रहा है। नगरपालिक निगम सीमा क्षेत्र में नगर के चिन्हित 2 टीकाकरण केन्द्रों महारानी लक्ष्मीबाई वार्ड स्थित पुरानी कचहरी कटनी, डॉ जाकिर हुसैन वार्ड स्थित ए.सी.सी हास्पिटल कटनी में निगमायुक्त श्री सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में निगम प्रशासन द्वारा साफसफाई, बैठक व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थांए पूर्ण कराते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों प्रबुद्धजन, गणमान्य नागरिकों, समाजसेवी एवं वार्ड स्तर पर गठित क्रायसिस मैनेजमेंट समिति से समन्वय बनाते हुए प्रेरक के रूप में आवश्यक सहयोग लेते हुए शत प्रतिशत टीकाकरण करानें हेतु प्रयास किये गए।

उत्कृष्ट परिणाम के लिए डॉ चित्रा चतुर्वेदी सम्मानित

कटनी। केंद्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी में पदस्थ शिक्षिका डॉ चित्रा चतुर्वेदी को उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए सम्मानित किया गया है। उन्होंने बताया कि वे केंद्रीय विद्यालय संगठन में 1995 से सेवारत हैं। इस संस्था में कार्य करने के दौरान बच्चों के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम को लेकर उनके द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हिंदी विषय को रुचिकर बनाकर पढ़ाने के साथ ही समय पर पाठ्यक्रम को पूर्ण करने का प्रयास किया जाता है, जिससे बच्चों को असुविधा का सामना न करना पड़े। विगत कई वर्षों से दसवीं कक्षा के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए उन्हें क्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर से उपायुक्त द्वारा 2015 से अब तक प्रति वर्ष गोल्डन अवार्ड का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जा चुका है, साथ ही मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी द्वारा प्रशस्ति पत्र भी दिया जा चुका है। हिंदी निबंध लेखन जिला स्तरीय प्रतियोगिता में डॉ चित्रा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में विद्यालय की 2 छात्राओं को 10 हजार एवं 5 हजार की धनराशि प्रथम, द्वितीय स्थान पाने पर प्राप्त हुई। विषय अध्यापिका होने के साथ साथ ही उन्होंने गाइड में एएलटी कोर्स भी किया है। उन्हें एचडब्लूबी अवार्ड भी मिल चुका है। कई अन्य राज्यों में जाकर राज्य पुरस्कार संपन्न कराने एवं लीडर ऑफ द कोर्स बनने का अवसर भी उन्हें प्राप्त हुआ है। उन्हें बेसिक कोर्स गाइड कैप्टन की भी एलओसी बनने का सौभाग्य कई बार प्राप्त हो चुका है।

विजयराघवगढ़ एवं ढीमरखेड़ा में आबकारी की दबिश

1750 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 25 लीटर अवैध मदिरा की गई जप्त

कटनी। जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, परिवहन, विक्रय एवं निर्माण की रोकथाम के लिये कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा सतत् रुप से कार्यवाही की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी अनिल जैन ने बताया कि गतदिवस बुधवार को आबकारी विभाग द्वारा विजयराघवगढ़ एवं ढीमरखेड़ा क्षेत्र में कार्यवाही कर अवैध मदिरा एवं महुआ लाहन जप्त किया गया है।

इस दौरान कुल 1750 किलोग्राम हुआ लाहन तथा 25 लीटर अवैध मदिरा दल द्वारा जप्त कर संबंधितों के विरुद्ध न्यायालयीन प्रकरण भी दर्ज किये गये हैं। जिसमें विजयराघवगढ़ क्षेत्र अंतर्गत 1635 किलोग्राम हुआ लाहन तथा 15 लीटर अवैध शराब जप्त कर 4 न्यायालयीन प्रकरण भी संबंधित आरोपियों के विरुद्ध दर्ज किये गये हैं। इस कार्यवाही में जप्तशुदा लाहन तथा शराब की अनुमानित कीमत लगभग 84 हजार रुपये हैं।

इसी प्रकार ढीमरखेड़ा क्षेत्र में आबकारी विभाग द्वारा विभिन्न ग्रामों में दबिश दी गई। जिसमें 80 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 10 लीटर अवैध शराब जप्त कर 4 न्यायीन प्रकरण भी संबंधितों के विरुद्ध दर्ज किये गये हैं। इस कार्यवाही में जप्तशुदा लाहन तथा शराब की अनुमानित कीमत 5500 रुपये है।

वर्चुअल संवाद में अधिवक्ताओं ने रखी सिटी बस संचालन की मांग

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व सांसद ने जिले के अधिवक्ताओं से किया वर्चुअल संवाद

कटनी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने गत दिवस खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के अधिवक्ताओं से वर्चुअल संवाद किया जिसमे कटनी के अधिवक्ताओं ने भाग लिया। सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने संवाद में कहा कि वैश्विक महामारी से हमने अपनो को खोया है किंतु कोरोना के इस संकट काल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में कोविड संकट के समाधान में विभिन्न कदम उठाएं हैं। उन्होंने कहा की अधिवक्ता समाज के महत्वपूर्ण अंग होते हैं। कोरोना संकटकाल में अधिवक्ताओं ने सजगता से अपना फर्ज निभाया है। सांसद श्री शर्मा ने कहा कि हम सभी गरीब जनता की सेवा के लिए कार्य करते हैं और हमारे अधिवक्ता साथी उन गरीब जनो से सीधे जुड़े रहते हैं और उनकी समस्याओं का निदान भी करते हैं। श्री शर्मा ने कहा कि कोरोना महामारी में अधिवक्ता बंधु भी प्रभावित हुए हैं एवं कुछ अधिवक्ता बन्धु दिवंगत भी हुए है। अधिवक्ताओं के परिवारों को भाजपा सरकार ने हरसंभव मदद की है और आगे भी हम अधिवक्ताओं की मदद करेंगे। इस दौरान जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अमित शुक्ला ने लेबर कोर्ट के विषय पर एवं अधिवक्ता दीपक तिवारी ने सिटी बस संचालन के लिए अपनी बात रखी साथ ही अधिवक्ता अरुण खरे ने कटनी में मेडिकल कॉलेज की आवश्यकता बताई। इसके अलावा भी अन्य मांग भी अधिवक्ताओं ने भी सांसद के समक्ष लाई, जिस पर उन्होंने निदान का भरोसा दिलाया।

मास्क का उपयोग नहीं करने पर कटा चालान

24 लोगों से वसूला 2400 रूपए जुर्माना

कटनी। नगर में कोविड -19 की वर्तमान संक्रमण दर एवं अपेक्षित तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए समुदाय में संक्रमण के नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु कार्यालय कलेक्टर जिला कटनी के पत्र अनुसार जारी दिशा-निर्देश तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में लिये गये निर्णय के परिपालन में निगम के अतिक्रमण अमले एवं स्वस्थ्य अमले द्वारा नगर के सार्वेजनिक स्थलों पर मास्क का उपयोग न करनें वालों पर अर्थदण्ड अधिरोपित करनें की कार्यवाही की जा रही है। अतिक्रण निरीक्षक प्रशांत परौहा नें जानकारी देते हुए बताया कि निगम प्रशासन के गठित अतिक्रमण अमले द्वारा आज दोपहर बाजार क्षेत्र में अभियान चलाया गया अभियान के दौरान मास्क का उपयोग न कर चेहरे पर मास्क का उपयोग न करते पाये जाने पर 16 लोगों पर 1600/- रूपये अर्थदण्ड अधिरोपित करनें की कार्यवाही की गई। निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा भी संक्रमण के प्रसार को रोकने की दृष्टि से रोजाना नगर के विभिन्न स्थलों में जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा आज पन्ना मोड में अभियान चलाया जाकर 8 लोगों पर 800 रूपये जुर्मानें की कार्यवाही की जाकर नागरकों को सार्वजनिक स्थलों में मास्क का उपयोग करनें की समझाईश दी गई। निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे नें कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु नगारिकों से घरों से निकलते समय चेहरे पर मास्क एवं सार्वजनिक स्थलों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर संक्रमण को फैलने से रोकने में प्रशासन का सहयोग प्रदान करने की अपील की है।

शिविर में जमा हुआ 5 लाख बकाया टैक्स

सत्यनारायण मंदिर के पास शिविर का आयोजन

कटनी। नगर के अधिक से अधिक नागरिकों को शासन द्वारा प्रदाय की जा रही छूट का लाभ प्रदाय करने व वित्तीय वर्ष 2021 -22 में निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के उद्धेश्य से जिला कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक प्रियंक मिश्रा एवं निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशों के परिपालन में निगम के बकाया करों को जमा करनें हेतु निगम एवं जोन कार्यालय के अलावा वार्डवार शिविर का आयोजन किया जाकर नागरिकों को निगम के बकाया करों को जमा करनें की सुविधा प्रदान की जा रही है। प्रभारी अधिकारी राजस्व जागेश्वर पाठक एवं जलकर निरीक्षक अनिल त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में आज नगर निगम स्थित कम्प्यूटर कक्ष व जोन कार्यालयों के अलावा प्रातः 10 बजे से सत्यनारायण मंदिर के सामने शिविर का आयोजन किया गया। शिविर स्थल पर नागरिकों की सुविधा एवं आगंतुकों की बैठक व्यवस्था व अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कराई जाकर निगम के राजस्व विभाग के उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा करदाताओं को बकाया करों की राशि तथा शासन द्वारा प्रदत्त छूट की राशि की जानकारी प्रदान की जाकर निगम के बकाया करों की राशि को जमा कराया गया। शाम 5 बजे तक बकाया संपत्ति कर के रूप में कुल 3.52 लाख रूपये तथा जलकर के रूप में 1.70 लाख रूपये कुल 5.26 लाख रूपये निगम कोष में जमा किये गए।

सहायक संचालक शिक्षा को सेवानिवृत्ति पर दी भावभीनी विदाई

कटनी। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ राम सुमिरन पटेल सहायक संचालक शिक्षा को विगत दिवस सेवानिवृत्त होने पर जिले की ओर से उत्कृष्ट विद्यालय माधव नगर कटनी के मल्टी पर्पज हाल में विदाई समारोह आयोजित कर विदाई दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पटेल एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं जिला शिक्षा अधिकारी कटनी श्रीमती शशिबाला झा, श्रीमती विभा श्रीवास्तव, अभय जैन द्वारा दीप प्रज्वलित एवं माँ सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

उत्कृष्ट विद्यालय की बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन उत्कृष्ट विद्यालय बड़वारा की शिक्षिका श्रीमती रचना तिवारी एवं विजय पटेल द्वारा किया गया। श्री पटेल की विदाई के अवसर पर उनके कार्यों एवं व्यक्तित्व के बारे में श्री डॉगीवाल, बीईओ श्रीमति एम पी डुंगडुंग, ए. के. कोरी, बी. आर. भगत, आर. एस. सिंह, श्री झारिया, जे. एल. बुनकर, मुकेश द्विवेदी, पी. चनपुरिया, के. सी. सिंह, आर. के. बारी, रमाकांत तिवारी आदि द्वारा अपने विचार व्यक्त किए गए। जिले के दूरदराज से आये हुये प्राचार्य, प्रभारी प्राचार्यों ने श्री पटेल का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से सभी स्टॉफ एवं उत्कृष्ट विद्यालय कटनी द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम का संयोजन उत्कृष्ट विद्यालय बड़वारा के प्रभारी प्राचार्य जुगल किशोर चौरसिया एवं जे. एल. बुनकर बसाडी विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन ए. पी. सी. अभय जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अनिल चक्रवर्ती, पी. एन. प्रसाद, उदयभान सिंह, जितेंद्र दुबे, नीरज दुबे, पवन खत्री, अपर्णा अग्निहोत्री, डी. पी. सी. श्री डेहरिया, विनय दुबे, आकांक्षा स्वर्णकार, ब्रम्हदत्त वाजपेयी, चंद्रभान परस्ते, श्री खरे, सचिन श्रीवास्तव, पदमकान्त पटेल, आशीष चौरसिया, प्रकाश नामदेव, श्रीमति संध्या तिवारी, गुड्डा रैदास, संजय गुरु, सलभ शुक्ला, श्री तिवारी, मौजीलाल चक्रवर्ती, शेखर पाठक, अजय दुबे, श्री जग्गू आदि शिक्षक, प्राचार्य, कर्मचारी के साथ साथ श्री पटेल जी के परिजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सूर्यकांत परौहा द्वारा रचित काव्यांजलि श्रीमती विभा श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत कर जिला शिक्षा अधिकारी कटनी द्वारा श्री पटेल को सौंपी गई। सम्मान पत्र श्री बुनकर द्वारा प्रस्तुत किया गया।

न्यूनतम मूल्य में पाएं अधिकतम लाभ
यश भारत
कलर क्लासीफाइड
1 दिन - 150/-
3 दिन - 250/-
7 दिन - 500/-
15 दिन - 1200/-
30 दिन - 1800/-
साईज- 5x1
आवश्यकता, खरीदना-बेचना
अपने व्यापार को बढ़ावा दें
बुकिंग हेतु संपर्क करें
यश भारत
कचहरी चौक, कटनी
फोन:- 07622-230033
Email :- katni@yashbharat.com

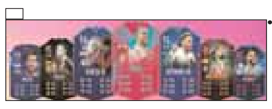

16 वां दिन-पदक के लिए रहेंगी निगाहें

टोक्यो ओलंपिक का आज 16वां दिन है जोकि भारत के एथलीटों के लिए आखिरी दिन है। आज भारत की तरफ से भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा, गोल्फर अदिति अशोक पदक जीतने के लिए अपनी किस्मत आजमाएंगे। जबकि कुश्ती में बजरंग पुनिया से कांस्य पदक जीतने की उम्मीद होगी। टोक्यो ओलंपिक का आज 16वां दिन है जो कि भारतीय दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। भारत के भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा आज स्वर्ण पदक जीत सकते हैं। वह पुरुष जेवेलिन थ्रो के फाइनल में अपनी चुनौती पेश करेंगे। गोल्फ में भी भारत इतिहास रच सकता है। गोल्फर अदिति अशोक लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं मौजूदा समय में वह दूसरे स्थान पर हैं। जबकि बजरंग पूनिया कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर टोक्यो ओलंपिक में भारतीय अभियान को समाप्त करना चाहेंगे। इससे पहले बीता 15वां दिन भारत के लिए अच्छा नहीं रहा। भारतीय महिला हॉकी टीम को कांस्य पदक के लिए खेले गए मुकाबले में ब्रिटेन ने 4-3 से हराया।

तीसरे स्थान पर फिसलीं अदिति

भारत की गोल्फर अदिति अशोक टोक्यो ओलंपिक में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। लेकिन अब तीसरे स्थान पर फिसल गई हैं। फिरभी वह पदक की रेस में बनी हुई हैं।

गोल्फ में भारत को मिल सकता है पहली बार पदक, अदिति अशोक से है बड़ी उम्मीद

क्व्ह्ड्ड्यद्धह्वद्ध ष्ड्डह्वद्ग-स्ड्डह्ल, 07.ह्वद्द 2021 04:36.रू (ड्डस्न्ञ.)ह्लह्वद्धश्चह्न-स्ड्डठ्ठद्धड्ड4 स्ड्ड1द्गह्लठ्ठ

टोक्यो में शनिवार को खराब मौसम की आशंका है ऐसे में चौथे दिन के खेल को जल्दी शुरू किया जाएगा। अगर चौथे दौर (72 होल) का खेल पूरा नहीं हुआ तो तीसरे दौर (54 होल) के नतीजे पर विजेता का चयन होगा।

टोक्यो, प्रेट्र। भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक टोक्यो ओलंपिक में गोल्फ में भारत के पहले पदक की दावेदार बनी हुई हैं जिन्होंने तीसरे दौर में तीन अंडर 67 स्कोर करके दूसरा स्थान बनाए रखा है। टोक्यो में शनिवार को खराब मौसम की आशंका है ऐसे में चौथे दिन के खेल को जल्दी शुरू किया जाएगा। अगर चौथे दौर (72 होल) का खेल पूरा नहीं हुआ तो तीसरे दौर (54 होल) के नतीजे पर विजेता का चयन होगा। ऐसे में अदिति रजत पदक अपने नाम कर लेंगी। वहीं, अगर फाइनल राउंड पूरा होता है तो वह स्वर्ण जीतने जीतने की प्रबल दावेदार होंगी। अदिति अगर जीतती हैं तो वह गोल्फ में पदक जीतने वाली भारती की पहली खिलाड़ी (महिला/पुरुष) होंगी। अदिति ने 2016 रियो ओलिंपिक में भी हिस्सा लिया था, लेकिन उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और वह 41वें स्थान पर थी। अदिति तीन दौर के बाद 12 अंडर 201 के स्कोर के साथ अकेली दूसरे स्थान पर है। अमेरिका की नैली कोरडा उनसे तीन स्ट्रोक्स आगे है जिन्होंने इस दौर में दो अंडर 69 स्कोर किया। न्यूजीलैंड की लीडिया को, आस्ट्रेलिया की हन्ना ग्रीन, डेनमार्क की क्रिस्टीन पेडरसन और जापान की मोने इनामी 10 अंडर 203 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर हैं। अदिति ने पांच बर्डी लगाए और दो बोगी किए। उन्होंने नौवें और 11वें होल पर बोगी करने के बाद 15वें और 17वें होल पर बर्डी लगाए। इससे पहले उन्होंने चौथे, छठे और सातवें होल पर भी बर्डी लगाए थे। भारत की दीक्षा डागर एक ओवर 72 के स्कोर के साथ निचले हाफ में है।1 अदिति बोलीं, कोरोना की चपेट में आने से मेरी ताकत कम हुई अदिति ने कहा, %मैं वीजा संबंधी काम के लिए भारत आई थी और कोरोना की चपेट में आ गई थीं। मुझे लगता है कि कोरोना के कारण मेरी ताकत कम हुई है। लंबी दूरी के होल में मेरा शाट काफी पीछे रह जा रहा है। पहले भी होल से दूर रहता था, लेकिन इतना दूर कभी नहीं था। जो होल अधिक दूर है वहां खेल में निरंतरता बरकरार नहीं रख पा रही हूं। पहले दौर की तुलना में इस (तीसरे) दौर में मेरी पुटिंग (करीब से गेंद को होल में डालना) अच्छी नहीं थी। अदिति मई-जून में जब भारत आई थीं तब उन्हें कोरोना हो गया था।

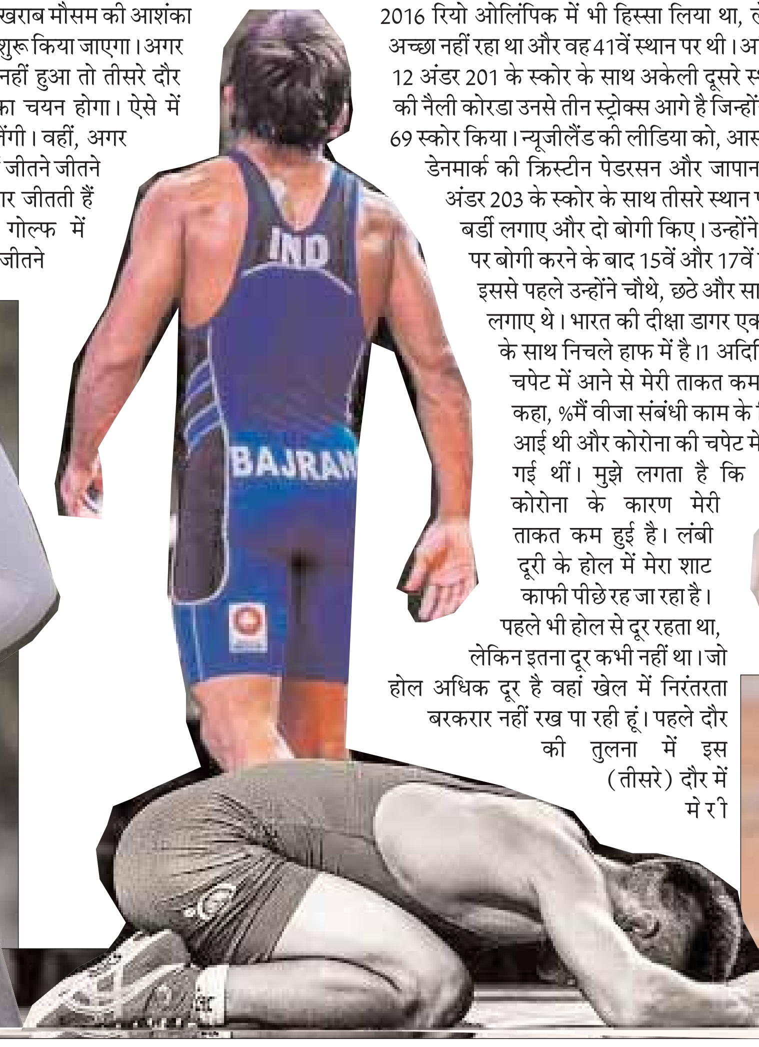

राष्ट्रीय खेल है हॉकी पर 80 प्रतिशत प्रायोजक क्रिकेट में करते हैं निवेश

हाल ही में टोक्यो ओलंपिक में भारतीय टीम ने 41 साल बाद कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। वह भारतीय हॉकी के लिए ऐतिहासिक क्षण था। लेकिन राष्ट्रीय खेल होने के नाते इस खेल को उतना सम्मान नहीं मिला जिसका वह हकदार है। हॉकी भले ही हमारा राष्ट्रीय खेल हो लेकिन देश-विदेश के प्रायोजक 100 में 80 प्रतिशत राशि क्रिकेट पर ही निवेश करते हैं और शेष 20 प्रतिशत दूसरे खेलों को मिलता है। लेकिन टोक्यो ऑलिंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने जो प्रदर्शन किया है उससे प्रायोजक न सिर्फ आकर्षित होंगे बल्कि इसे हॉकी का पुर्नरुथान माना जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि भारत ही नहीं विदेशों से भी भारतीय हॉकी में निवेश बढ़ेगा जिसका फायदा खेल और खिलाड़ियों के विकास पर खर्च होगा।क्ष

हॉकी ने देश को दिए 11 ओलिंपिक पदक और कई दिग्गज खिलाड़ी

आपको बता दें कि वर्ष 1928 से हॉकी ने हमारे देश को कुल 11 पदक दिए हैं। मेजर ध्यानचंद, बलबीर सिंह सीनियर, मोहम्मद शाहिद, धनराज पिल्लै और पीआर. श्रीजेश जैसे कई दिग्गज हमें इस खेल की बदौलत मिले। लेकिन खेल और उसके सितारों का प्रभुत्व समय के साथ फीका पड़ गया। क्योंकि राष्ट्रीय खेल हॉकी के बदले क्रिकेट में लोगों की दिलचस्पी बढ़ी। मीडिया रिपोर्ट की माने तो भारत में कुल विज्ञापन का 10वां हिस्सा खेलों के आयोजन पर खर्च होता है। इसमें क्रिकेट पर 80 प्रतिशत और बाकी के खेलों को अपने हिस्से का प्राप्त करने के लिए लड़ने के लिए छोड़ दिया जाता है।

ओडिसा सरकार सहित टाटा समूह कर रही है पहल

देश में ओडिसा सरकार को हॉकी का सबसे बड़ा समर्थक माना जाता है। पूर्वी भारत के इस राज्य को हॉकी का पालना कहा जाता है। राज्य के मुख्यमंत्री नवन पटनायक ने वर्ष 2018 में हॉकी ऐस इंडिया के साथ करार कर पुरूष व महिला हॉकी टीम को प्रायोजित करने के लिए 100 करोड़ रुपये का समझौता किया। इसके अलावा टाटा ट्रस्ट और टाटा स्टील द्वारा ओडिसा में नवल टाटा हॉकी एकेडमी का निर्माण किया गया है ताकि सिर्फ शहरी क्षेत्र ही नहीं सुदूर ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभा को आवासीय एकेडमी के माध्यम से निखारा जा सके। इस एकेडमी में बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए कई अंतराष्ट्रीय कोच के साथ भी करार किया गया है। टाटा स्टील की ओर से जमशेदपुर में भी नवल टाटा हॉकी एकेडमी संचालित है जहां झारखंड और ओडिसा के कई बच्चे खेल की बारिकियों को सीख रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि इन दो एकेडमियों से ही देश को अगला ओलिंयन खिलाड़ी मिलेगा।

क्रिकेट के कारण हॉकी में प्रायोजकों की रुचि में कमी

मीडिया एजेंसी ओएमडी की चीफ एक्जीक्यूटिव, इंडिया प्रीति मूर्ति का मानना है कि क्रिकेट की तुलना में हॉकी के प्रति विज्ञापनदाताओं की रुचि कम है। हॉकी के दर्शक भी कम हैं। हॉकी की तुलना में एकल व डबल खिलाड़ी वाले बैडमिंटन काफी प्रसिद्ध है और इसकी मुख्य वजह साइना नेहवाल और पीवी सिंधू जैसी खिलाड़ी हैं।

हॉकी टीम ने देश को गौरान्वित किया - एमडी संजीव मेहता

हिंदुस्तान यूनीलीवर के चेयरमैन सह एमडी संजीव ने इंटरनेट साइट पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि भारतीय महिला हॉकी टीम ने टोक्यो ओलिंपिक के क्वार्टर फाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज कर सेमी फाइनल में जगह बनाकर इतिहास रच दिया। उनकी इस जीत ने देश को गौरांवित किया है। मुझे पूरी उम्मीद है कि भारत में हॉकी के नए युग की शुरूआत होगी। मुझे आशा है कि खेल और खिलाड़ियों के लिए बड़े ब्रांड सामने आएंगे।

इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी लारा दत्ता

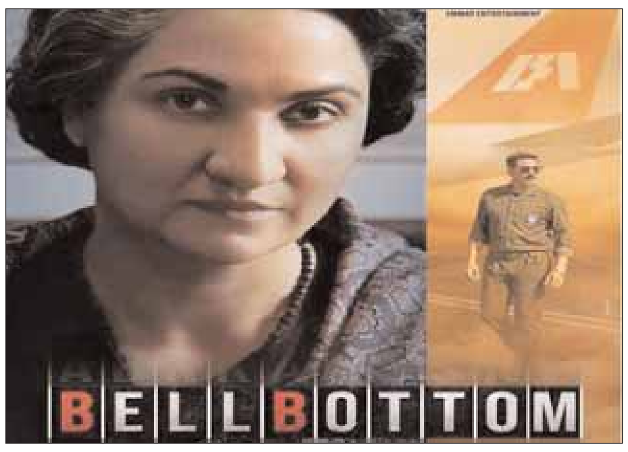

अक्षय कुमार के बेल बॉटम फिल्म जल्द रिलीज होने वाली है

नई दिल्ली । फिल्म बेल बॉटम में लारा दत्ता इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी। उनके लुक को काफी पसंद किया गया हैद्य इस फिल्म में अक्षय कुमार की अहम भूमिका हैद्य हालांकि निर्देशक रंजीत तिवारी ने खुलासा किया कि यह उनका नहीं बल्कि अक्षय कुमार का आईडिया था कि वह लारा दत्ता को इंदिरा गांधी की भूमिका के लिए लेद्यइस बारे में बताते हुए रंजीत ने कहा, %जब लारा दत्ता का चयन हो गयाद्य हमने विक्रम गायकवाड नामक मेकअप एक्सपर्ट को कहा कि वह लारा दत्ता का प्रोस्थेटिक करेंद्य मैंने विक्रम गायकवाड जी से कह दिया था कि लारा दत्ता इंदिरा गांधी की तरह लगनी चाहिएद्य जब मैं लारा दत्ता का मेकअप होने के बाद देखने गया तो मैं लारा दत्ता को बिल्कुल भी पहचान नहीं पायाद्य%निर्देशक ने आगे यह भी कहा कि लारा दत्ता ने सेट पर आने के पहले कड़ी मेहनत की थीद्य रंजीत तिवारी कहते है, %हमें बहुत से वीडियो और क्लिप मिले ताकि लारा इंदिरा गांधी की बॉडी लैंग्वेज को समझ सकेद्य जब लारा दत्ता ने पहला शॉट दिया, वह बिल्कुल इंदिरा गांधी की तरह लग रही थीद्य% बेल बॉटम की कहानी एक एयर क्राफ्ट के हाईजैक होने पर आधारित है जिसे बचाने के लिए अक्षय कुमार, हुमा कुरेशी और वाणी कपूर प्रयास करते हैंद्य अक्षय कुमार फिल्म अभिनेता हैद्य उन्होंने कई फिल्मों में अहम भूमिका निभाई हैद्य उनकी भूमिका काफी पसंद की गई हैद्य वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय हैद्य वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करने हैं जो कि बड़ी तेजी से वायरल होती हैद्य बेल बॉटम जल्द रिलीज होने वाली है ।लारा दत्ता फिल्म अभिनेत्री हैद्य उन्होंने कई फिल्मों में अहम भूमिका निभाई हैद्य वह अक्षय कुमार के साथ कई फिल्मों में काम कर चुकी हैद्य अक्षय कुमार और उनकी जोड़ी काफी पसंद की गई हैद्य लारा दत्ता ने महेश भूपति से शादी कर ली हैद्य

मेरे पास खाने के भी पैसे नहीं थे

स्ट्रगलिंग के दिनों में कास्टिंग काउच भी फेस कर चुकी हैं सोनम अरोड़ा, बोलीं- मेरे पास खाने के भी पैसे नहीं थे

नई दिल्ली। बॉलीवुड हो या टेलीविजन जगत हो हर एक्टर को कभी ना कभी स्ट्रगल करना ही पड़ता है। ऐसे में एक्टर्स काफी संघर्ष कर एक मुकाम तो हासिल कर लेते हैं लेकिन उनके संघर्ष के दिनों की यादें हमेशा ताजा ही रहती हैं। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं सोनम अरोड़ा। जिन्होंने दिल्ली से मुंबई का सफर तो 10 साल पहले तय किया था। लेकिन उनको थोड़ी- बहुत सफलता अब जाकर हासिल हुई है। बता दें कि सोनम अरोड़ा धारावाहिक %शक्ति अस्तित्व के एहसास की% में एंजेल (किन्नर) का किरदार निभा रही हैं ।हाल ही में सोनम अरोड़ा ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में अपने संघर्ष के दिनों के बारे में बात की है। सोनम ने बताया कि कैसे वो आंखों में सपने लिए मुंबई पहुंची थीं। यहां उन्हें किस किस तरह के संघर्षों का सामना करना पड़ा। इस पूरे समय में उनके परिवार की क्या प्रतिक्रिया रही। इस दौरान सोनम ने ये भी बताया कि वो कास्टिंग काउच का भी शिकार हो चुकी हैं ।इंटरव्यू के दौरान सोनम ने अपने पहले शो और माता पिता के साथ गुजारी हुई जिंदगी के बारे में बात करते हुए बताया, %मेरे पेरेंट्स ने हमेशा मुझे सपोर्ट किया है। जब मैं बच्ची थी तो मैंने क्न्नश्चद्दद्व ड्ड्डश्चद्दद्ग में भी हिस्सा लिया था। मेरे पैरेंट्स हमेशा मेरे साथ थे। मेरी मां मुंबई मेरे साथ आई थी। दिल्ली में मेरी लाइफ बहुत सरल और साधारण थी। लेकिन मुंबई में कौन स्ट्रगल नहीं करता, आपके पास गॉडफादर नहीं है, आप अनजानी जगह पर आई हो, कोई गायडेंस नहीं ।आगे अपने शुरुआती दिनों के स्ट्रगल को याद करते हुए सोनम ने कहा, %शुरुआत में, मुझे काम नहीं मिला। लेकिन मुझे सेलिब्रिटी बनना था। सब कुछ धीरे- धीरे से चल रहा था। मैंने शुरुआत छोटे- छोटे रोल से की इस दौरान मुझे एक दिन के 1 या 2 हजार रुपये मिलते थे। ऑडिशन्स के दौरान मैंने कास्टिंग काउच फेस किया। ये हर इंडस्ट्री में हर जगह होता करता है। लड़कियां ही नहीं लड़के भी मोलेस्ट होते हैं। मैंने टैलेंट के दम पर काम पाने पर ही विश्वास किया है। मुझे ये भी विश्वास था कि मेरे पेरेंट्स साथ हैं और धीरे ही सही मगर मुझे काम मिलेगा।%अपने 10 सालों को याद करते हुए सोनम कहती हैं, %इस सब में मुझे 10 साल लग गए लेकिन ये फाइनली हो रहा है। मैंने बहुत स्ट्रगल किया है। मैंने ऑडिशंस दिए और रिजेक्ट हुई। एक समय ऐसा भी था जब मेरे पास खाने के लिए पैसे नहीं होते थे मुझे किराया देना होता था। मैं मिडिल क्लास फैमिली से आती हूं। मैं अपने पेरेंट्स से पैसे नहीं ले सकती थी। मैं ऑडिशंस में लोगों को अच्छे कपड़े और मेकअप के साथ देखती थी। मेरे पास जो था वो था कॉन्फिडेंस ।बता दें कि सोनम अरोड़ा इस समय कलर्स टेलीविजन के धारावाहिक %शक्ति अस्तित्व के एहसास की% में एंजेल का किरदार निभा रही हैं। धारावाहिक में एंजेल एक अहम निगेटिव किरदार है जो कि एक किन्नर है। धारावाहिक में मुख्य भूमिका में रुबीना दिलैक, जिज्ञासा सिंह, काम्या पंजाबी, सीजेन खान मुख्य और अहम किरदारों में हैं।

सत्यमेव जयते
मध्यप्रदेश शासन

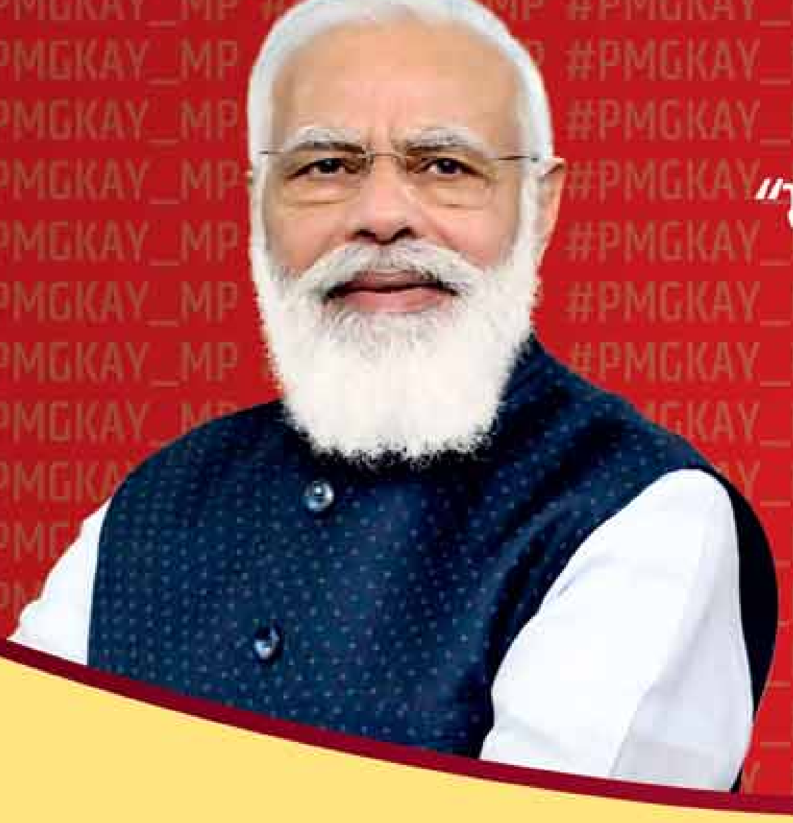

“भोजन भी, जीवन भी, सम्मान भी”

धन्यवाद मोदी जी

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना

नि:शुल्क राशन वितरण

7 अगस्त 2021 | प्रात: 11.00 बजे

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत
मिलने वाले नियमित राशन के साथ-साथ

5 किलो गेहूं एवं चावल
प्रति व्यक्ति प्रतिमाह
मुफ्त

मुफ्त खाद्यान्न राशन थैले में प्रदान किया जाएगा।

माननीय
प्रधानमंत्री जी का
हितग्राहियों से
ऑनलाइन संवाद

**मध्यप्रदेश के
एक करोड़ 15 लाख परिवार
हो रहे हैं लाभान्वित**

25 हजार 435
**उचित मूल्य की दुकानों से
योजना अंतर्गत नि:शुल्क
राशन वितरण किया जा रहा है।**

प्रधानमंत्री
गरीब कल्याण योजना

मुख्य अतिथि
श्री नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

•●•

अध्यक्षता
श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

•●•

गरिमामयी उपस्थिति
श्री बिसाहूलाल सिंह
मंत्री, खाद्य विभाग, मध्यप्रदेश शासन
श्री अरविंद भदौरिया
मंत्री, सहकारिता विभाग, मध्यप्रदेश शासन

प्रधानमंत्री
गरीब
कल्याण
अन्न योजना

#PMGKAY_MP

सबको भोजन पर्याप्त पोषण

D-11033/21

LIVE
https://pmindiawebcast.nic.in
DDMP व क्षेत्रीय चैनल्स
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
jansamparkMP
jansamparkMP